चैत्र शुक्ल पक्ष-11, 2080 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-08, अंक - 158 | पेज 6, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
01 दिसंबर 2024 रविवार

आज का मौसम
30 अधिकतम
21 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-5

विदेश से लौटते ही सीएम ने संभाला खाद मोर्चा, केंद्रीय मंत्रालयों से समन्वय बनाएंगे अफसर

खाद संकट गहराया, लाइनों में किसान कालाबाजारियों पर कार्रवाई की खुली छूट

भोपाल.दोपहर मेट्रो

करीब आठ दिन के विदेश प्रवास से लौटते ही मुख्यमंत्री मोहन यादव ने खाद संकट पर फोकस किया है। काफी समय से प्रदेश में खाद संकट पर सरकार घिरी हुई नजर आ रही है। प्रदेश के कोने–कोने से खाद की कमी के किस्से और घटनाएं आ रही है,इससे खाद वितरण व पर्याप्त उपलब्धता के सरकारी दावे गलत साबित हो रहे हैं। मैदानी अफसर दबी जुबान मान व महसूस कर रहे हैं कि खाद का संकट किसी न किसी वजह से है। जानकार सूत्र बताते हैं कि कई फीडबैक के बाद मुख्यमंत्री यादव ने मोर्चा संभाला है और सभी अधिकारियों को दो टूक कहा गया है कि खाद की कमी हर हाल में दूर करें। जहां रैक नहीं पहुंच पा रहे हैं वहां सड़क मार्ग से खाद भेजें। केंद्रीय मंत्रीद्वय जेपी नड्डा व रेल अश्विनी वैष्णव से बात की जाए व केंद्रीय मंत्रालयों से सतत समन्वय स्थापित रखें। कालाबाजारियों पर कार्रवाई की खुली छूट देते हुए सीएम ने कहा है कि जितनी कार्रवाई की, वे प्रदेश के हिसाब से पर्याप्त नहीं है जो भी किसानों का हक मार रहे हैं उन पर ठोस कार्रवाई जारी रखें। यादव ने सहकारिता मंत्री विश्वास सारंग, मुख्य सचिव अनुराग जैन,एसीएस राजेश राजौरा, एसएन मिश्रा एवं अन्य अधिकारी अफसरों से इस बारे में लंबी चर्चा की है और साफ कहा है कि आज से इसका असर नजर आना चाहिये।

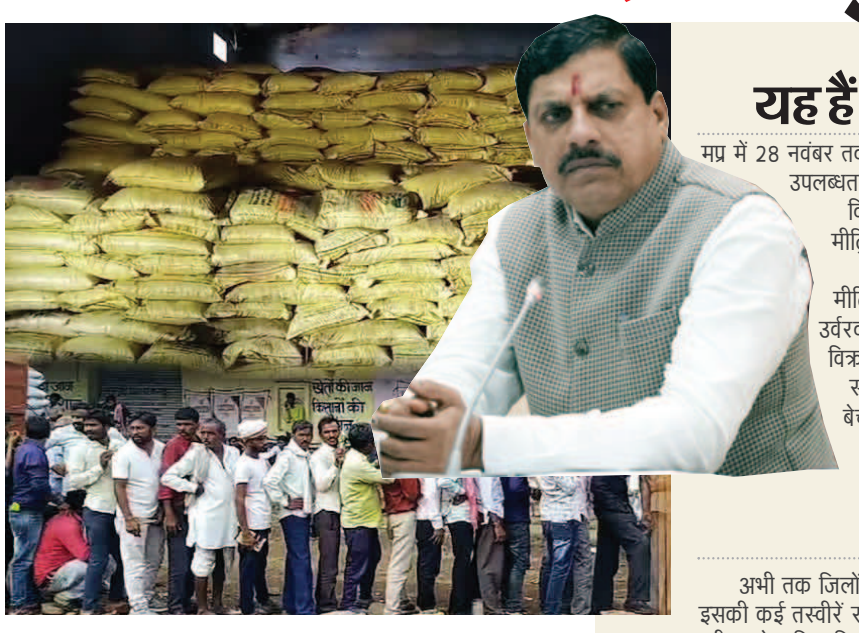

मुख्यमंत्री आज इंदौर उज्जैन में

मुख्यमंत्री मोहन यादव आज इंदौर व उज्जैन दौरे पर हैं। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष व केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा भी साथ हैं। दोनों नेताओं ने इंदौर में देवी अहिल्या विवि में विश्व एड्स दिवस के कार्यक्रम में शामिल हैं। यहां से नड्डा व यादव उज्जैन रवाना होंगे।

यह हैं मौजूदा हालात

मप्र में 28 नवंबर तक 32.44 लाख मीट्रिक टन उर्वरक उपलब्धता थी। 21.34 लाख मीट्रिक टन का विक्रय हो चुका है और 11.10 लाख मीट्रिक टन उर्वरक शेष है। दिसम्बर में इनकी उपलब्धता लगभग 20 लाख मीट्रिक टन रहेगी। पूर्व के वर्ष में 470 उर्वरक विक्रय केन्द्र थे। वर्तमान में 761 विक्रय केन्द्र हैं। विपणन संघ, मार्केटिंग सोसायटी और एमपी एग्रो द्वारा खाद बेची जा रही है। 10 हजार से अधिक नमूने विश्लेषित करने पर 45 लायसेंस निलंबित किए हैं।

मुख्यमंत्री के निर्देश

अभी तक जिलों में डीएपी को लेकर मारामारी थी। इसकी कई तस्वीरें सामने आई है, जिस पर संज्ञान लेते हुए सीएम ने अधिकारियों से कहा कि यूरिया की मांग आने वाले दिनों में बढ़ेगी। अभी से इंतजाम कर लें, किसी तरह की कोई भी दिक्कत हो तो उसे समय से दूर करें। केंद्रों की संख्या और बढ़ानी पड़े तो बढ़ाएं, किसानों को लाइनों में खड़ा न रखें तथा शिकायतों पर संज्ञान लेकर कार्रवाई करें।

आज से कई बदलाव फिर, सिलेंडर 20 रुपए तक महंगा हुआ

नई दिल्ली, एजेंसी

वर्ष 2024 का आखिरी महीना दिसंबर अपने साथ कई बड़े बदलाव लेकर आया है। इन फाइनेंशियल बदलावों का सीधा असर हर घर और हर जेब पर देखने को मिलेगा। हर महीने की पहली तारीख के साथ देश में लागू होने वाले इन बड़े बदलावों का झटका एलपीजी यूजर्स को पहले लगा है। ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने कमर्शियल एलपीजी गैस सिलेंडर के दाम बढ़ा दिये हैं, ये संशोधन आज से लागू हो गया है। सिलेंडर के दाम औसतन हर शहर में बीस रुपये बढ़े हैं जबकि एयर टर्बाइन फ्यूल के दाम में भी संशोधन किया जाता है। यानी हवाई यात्रा महंगी हो सकती है। एटीएफ की कीमतों में भी लगातार दूसरे महीने यह इजाफा देखने को मिला है। वहीं देश के सबसे बड़े बैंक एसबीआई के क्रेडिट कार्ड के नियमों में बदलाव किया है। अब आज पहली तारीख से 48 क्रेडिट कार्ड्स में डिजिटल गेमिंग प्लेटफॉर्म/मर्चेंट से जुड़े ट्रांजेक्शन पर रिवॉर्ड पॉइंट्स को खत्म किये जाने का ऐलान लागू हो गया है।

संभल पहुंचा न्यायिक आयोग जबर्दस्त सुरक्षा के बीच जांच

संभल. एजेंसी

हिंसा की जांच करने के लिए न्यायिक आयोग की टीम रविवार को यहां पहुंच गई है। इलाहाबाद हाई कोर्ट के रिटायर्ड जस्टिस देवेंद्र कुमार अरोड़ा की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय कमेटी को मामले की जांच का जिम्मा सौंपा गया है। आयोग के दो अन्य सदस्य सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी अमित मोहन प्रसाद और अरविंद कुमार जैन हैं। तीनों ने संभल में हिसा प्रभावित इलाके का दौरा किया है तथा सभल जामा मस्जिद के अंदर जाकर निरीक्षण किया। पूरे इलाके में जबर्दस्त सुरक्षा की गई है। बीते दिनों मस्जिद सर्वे के दौरान हिंसा भडक चुकी है।

अब बदांयू मस्जिद... औवैसी बोले- एआई की पढ़ाई के बजाए एएसआई की खुदाई

नई दिल्ली। उप्र में संभल के बाद बदायूं की जामा मस्जिद का मामला भी अब चर्चा में है। संभल में हुई हिंसा के बाद एआईएमआईएम के राष्ट्रीय अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने बदायूं की मस्जिद को लेकर कहा कि आने वाली नस्लों को एआई की पढ़ाई के बजाय एएसआई की खोदाई में व्यस्त कर दिया जा रहा है। ओवैसी ने एक्स पर लिखा है कि बदायूं की जामा मस्जिद को नीलकंठ महादेव का मंदिर बताकर कोर्ट में वाद दायर किया गया था। यह मामला कोर्ट में चल रहा है। शनिवार को इस मामले में सुनवाई हुई थी। इसमें इंतजामिया कमेटी के पक्ष की तरफ से शनिवार से बहस शुरू की गई है। हाल ही में संभल की जामा मस्जिद पर सर्वे को लेकर हुई हिंसा के बाद बदायूं कोर्ट में इस मामले की पहली सुनवाई हुई थी।

शिंदे लौटेंगे मुंबई, कल सीएम फेस का ऐलान

मुंबई, एजेंसी

कांग्रेस बोली- विश्वासघात की सजा भुगत रहे शिंदे

महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव के नतीजे आने के 9वें दिन भी सस्पेंस बना हुआ है अलबत्ता कार्यवाहन सीएम एकनात शिंदें की तबीयत में सुधार और आज मुंबई लौटने की खबरे हैं। हालांकि अभी नये मुख्यमंत्री के चेहरे का आधिकारिक ऐलान बाकी है। शपथ ग्रहण समारोह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में 5 दिसंबर को शाम 5 बजे मुंबई के आजाद मैदान में होगा। ज्ञात हो कि दिल्ली में बैठक करके लौटे एकनाथ शिंदे सभी कार्यक्रम रद्द कर अचानक 29 नवंबर को सातारा स्थित पैतृक गांव चले गए थे। अब उनकी हालत ठीक है। तीन दिसंबर को भाजपा विधायक दल की बैठक है। यहां विधायकों से चर्चा के बाद आधिकारिक रूप से सीएम फेस अनाउंस होगे। उधर, कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने कहा- भाजपा ने एकनाथ शिंदे को महाराष्ट्र का मुख्यमंत्री बनाया। इस्तेमाल के बाद उन्हें बाहर कर दिया। अब शिंदे विश्वासघात की सजा भुगत रहे हैं। भाजपा की राजनीति में कोई विश्वसनीयता नहीं है।

सात नक्सलियों को ढेर किया

हैदराबाद। तेलंगाना पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए सात माओवादियों को एक मुठभेड़ में ढेर कर दिया है। यह मुठभेड़ मुलुगु जिले के एतुरागारम के जंगलों में हुई। मुलुगु के एसपी डॉ. सबारिश ने यह जानकारी दी। पुलिस ने माओवादियों के कब्जे से भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद भी बरामद किया है। पुलिस ने बताया कि तेलंगाना पुलिस और माओवादियों के बीच मुठभेड़ मुलुगु जिले के एतुरंगारम मंडल के चलपाका इलाके के जंगलों में आज सुबह हुई।

फेंगल ने मचाई तबाही, तीन मौतें

एर्लिंगटन. एजेंसी

चेन्नई। तमिलनाडु और पुडुचेरी के ऊपर मंडरा रहा चक्रवाती तूफान 'फेंगल' समुद्र तट को पार करके पुडुचेरी के करीब पहुंच गया है। इसके अगले 6 घंटे में धीरे-धीरे पश्चिम की ओर बढ़ने और तमिलनाडु और पुडुचेरी के उत्तरी तट पर कमजोर होकर एक गहरे दबाव में तब्दील होने की संभावना है. मौसम विभाग ने चक्रवात के प्रभाव के कारण तमिलनाडु के तटीय इलाकों और पुडुचेरी में भारी वर्षा का पूर्वानुमान जारी किया है. भारतीय सेना की चेन्नई गैरीसन बटालियन को पुडुचेरी प्रशासन ने शनिवार देर रात करीब 1 बजे बाढ़ वाले क्षेत्रों में बचाव प्रयासों के लिए बुलाया। पुंडुचेरी के कृष्णानगर क्षेत्र में लगभग 500 घरों में फंसे नागरिकों को रेस्क्यू करने के लिए जवानों ने ऑपरेशन चलाया, जहां कुछ इलाकों में पानी का स्तर लगभग 5 फीट तक पहुंच गया था। जलभराव वाले क्षेत्रों से 100 से अधिक लोगों को बचाया गया है. चक्रवात के कारण 16 घंटे तक बंद रहा चेन्नई हवाईअड्डा रविवार सुबह 4 बजे फिर से खुल गया।

मेट्रो एंकर | 1 लाख टन कचरे के ढेर में दबी किस्मत

गर्लफ्रेंड ने फेंक दिए 5900 करोड़, बॉयफ्रेंड दर-बदर

नई दिल्ली, एजेंसी

एक व्यक्ति की एक्स गर्लफ्रेंड ने ऐसी गलती कर दी, जिसने उसे जिंदगीभर का मलाल दे दिया। यह मामला इंग्लैंड के वेल्स का है, जहां जेम्स हावेल्स का हार्ड ड्राइव, जिसमें 8,000 बिटकॉइन थे, उनकी पूर्व गर्लफ्रेंड ने गलती से कचरे में फेंक दिया। आज बिटकॉइन की कीमत करीब 5,900 करोड़ रुपये है, लेकिन यह कचरे के ढेर में दबा पड़ा है। जेम्स की गर्लफ्रेंड हैल्फिना एडी-इवांस ने बताया कि यह हादसा घर की सफाई के दौरान हुआ। क्योंकि जेम्स ने मुझसे कचरे का एक बैग फेंकने को कहा था। मुझे नहीं पता था कि उसमें क्या है। इसलिये जेम्स अपने नुकसान के लिए मुझे जिम्मेदार नहीं ठहरा सकता। दूसरी तरफ जेम्स अब उस हार्ड ड्राइव को पाने के लिए दर-दर भटक रहे हैं। जिस बैग में उनकी हार्ड ड्राइव थी, वह बैग न्यूपोर्ट शहर के कूड़ाघर में पहुंच गया है तथा जेम्स का कचरे का बैग 1 लाख टन कचरे के नीचे कहीं दबा है. हालांकि, इस खजाने को ढूंढ पाना नामुमकिन सा लगता है, लेकिन जेम्स ने हार नहीं मानी है।

कानूनी जंग भी शुरू की

जेम्स ने न्यूपोर्ट सिटी काउंसिल पर 495 मिलियन पाउंड (करीब 4,900 करोड़ रुपये) का मुकदमा दायर किया है। उन्होंने आरोप लगाया है कि प्रशासन उन्हें कचरे के ढेर तक पहुंचने नहीं दे रहा है. जेम्स ने कहा, इस खजाने की कीमत हर दिन बढ़ती जा रही है. मुझे इसे पाना ही होगा। जेम्स ने वादा किया है कि अगर उन्हें उनकी हार्ड ड्राइव वापस मिलती है, तो वह बिटकॉइन के 10 फीसदी हिस्से का इस्तेमाल न्यूपोर्ट को दुनिया के बेहतरीन शहरों में बदलने के लिए करेंगे। हालांकि न्यूपोर्ट सिटी काउंसिल ने खुदाई की अनुमति देने से इनकार कर दिया है। उनका कहना है कि पर्यावरणीय परमिट के तहत कचरे की खुदाई करना संभव नहीं है. इससे इलाके पर बड़ा नकारात्मक असर पड़ेगा। इस मामले की कानूनी सुनवाई जल्द होने वाली है।

दोपहर मेट्रो

प्रवाह

रविवारीय

02 भोपाल रविवार, 01 दिसंबर 2024 epaper.dopaharmetro.com

जंक फूड के शौकीन ट्रंप को संभालना व्हाइट हाउस किचन के लिए मुश्किल

रसोइए हो रहे हैं परेशान

वर्तमाहाल में इतिहास रचते हुए फिर राष्ट्रपति चुने गये 6 फीट 3 इंच के डोनाल्ड ट्रंप के बारे में आजकल खूब बातें हो रही हैं। वे आमतौर पर अब तक राष्ट्रपति रहे अमरिकियों से कुछ अलग हैं। आजकल उनकी डाइट के चर्चे हैं। करीब 100 किलोग्राम वजन के ट्रंप को पिछले कार्यकाल में व्हाइट हाउस के डॉक्टरों ने उन्हें एक्सीलेंट हेल्थ का माना था। क्योंकि बाकी राष्ट्रपतियों की तुलना में ट्रंप को जंक फूड ज्यादा पसंद है। यहां तक कि वाइट हाउस के फूड प्रोटोकॉल से अलग उनके लिए अक्सर बाहर के बड़े फूड जॉइंट से भी स्नैक्स आता रहा है। जबकि राष्ट्रपतियों के लिए खाना भवन की रसोई में ही तैयार होता है और उसे कड़ी जांच से भी गुजरना होता है। व्हाइट हाउस में फिजिशियन रह चुके डॉ रॉनी जैक्सन ने माना था कि ट्रंप की फूड हैबिट ठीक करने के लिए वे उनके खाने में साग-सब्जियां मिला देते हैं। न्यूयॉर्क टाइम्स को दिए इंटरव्यू में जैक्सन कहते हैं कि ट्रंप कसरत कम ही करते हैं तो हम उनकी डाइट पर काम करने लगे। उनके खाने से आइसक्रीम घटाने लगे। मैश्ड आलू में सब्जी मिलाने लगे। पूर्व कार्यकाल में ट्रंप के साथ रहने से पहले जैक्सन और तीन राष्ट्रपतियों के खाने में फेरबदल करके उन्हें फिट बना चुके थे। लेकिन ट्रंप के बारे में साल 2018 में उनकी बात मीडिया में काफी समय तक छाई रही. उन्होंने कहा था कि ट्रंप के जीन्स बेहद अच्छे हैं। अगर वे अगले 20 सालों तक हेल्दी डाइट लें तो वे दो सौ साल भी जी सकते है।

हालांकि राष्ट्रपति एक दिन में कितनी कैलोरी लेंगे, इसका कोई नियम नहीं है. लेकिन चूंकि उनकी सेहत बड़ी बात है इसलिए ट्रंप के चारों ओर हमेशा मेडिकल टीम रहती आई. वहीं मौजूदा राष्ट्रपति जो बाइडेन या फिर पूर्व राष्ट्रपति ओबामा को लें तो उनकी डाइट हमेशा हेल्दी रही. बाइडेन घर का बना खाना पसंद करते हैं. इसमें भी ताजा फल-सब्जियां और प्रोटीन पर वे जोर देते रहे. कैलोरी इनटेक में चुनिंदा मौकों पर उन्हें आइसक्रीम खाते देखा गया।

कैलोरीज भर-भरकर खाते हैं- इतना लंबा जीना भले बात को थोड़ा बढ़ाकर कहना हो, लेकिन ट्रंप का खानपान तुरंत चर्चा में आ गया। वे आमतौर पर नाश्ता स्किप कर देते हैं, लेकिन लंच और

बीच-बीच में चटर-पटर खाते रहते हैं। उनका डिनर सबसे भारी और ढेर सारी कैलोरीज से भरा रहता है। इसमें बर्गर, चिप्स, पिज्जा और डाइट कोक जैसी चीजें शामिल हैं। उनसे जुड़े लोगों का दावा है कि वे एक खुराक में ढाई से तीन हजार कैलोरीज ले लेते हैं। ट्रंप को वैसे जर्माफोब के तौर पर जाना जाता रहा। जर्म्स का उन्हें ऐसा फोबिया है कि पहले से खुला पैकेट वे कतई नहीं खाते। यहां तक कि वाइट हाउस किचन में भी इस डर की वजह से खाने से बचते रहे, जबकि सच तो ये है कि वहां की रसोई में खाना बेहद सावधानी से बनता और फिर टेस्टिंग से भी गुजरता है। इसके बाद भी वे पैक्ड फूड खाना ज्यादा पसंद करते रहे। फायर एंड फ्यूरी- इनसाइड द ट्रंप वाइट हाउस नाम की किताब में ट्रंप के इस फोबिया के बारे में विस्तार से बताया गया है। ट्रंप को यकीन है कि फास्ट-फूड चेन्स से शानदार सफाई कोई नहीं रखता, इसलिए वे जंक को घर पर पके खाने से ज्यादा तवज्जो देते रहे। ट्रंप शराब के शौकीन नहीं, बल्कि उन्हें डाइट कोक से लगाव के लिए जाना जाता रहा। फॉर्चून मैग्जीन ने बताया था कि पहले कार्यकाल के दौरान ट्रंप के दफ्तर में एक स्पेशल बटन था, जो केवल कोक मंगाने के लिए था।

यदि मीडिया रिपोर्टस की मानें तो व्हाइट हाउस किचन की तो ये एक नहीं, बल्कि तीन रसोइयां हैं, जिनका काम अलग बंटा हुआ है. एक मेन किचन है, एक पेस्ट्री किचन और तीसरा फैमिली किचन. इनके साथ ही पैंट्री भी जुड़ी हुई है, जहां कच्चा सामान और साग-सब्जियां जमा रहती हैं। व्हाइट हाउस में एक लंबा-चौड़ा किचन गार्डन भी है। सारी सब्जियां यहीं उगाई जाती हैं। (साभार)

भरने होते हैं खाने के पैसे

बिजनेस इनसाइडर के मुताबिक सालाना यहां दो हजार पाउंड से भी ज्यादा सब्जियां उगाई जाती रहीं. यहां एक मजेदार चीज ये है कि फर्स्ट फैमिली यानी राष्ट्रपति समेत उनके परिवार को खाने के लिए अलग से पैसे देने होते हैं। साथ ही निजी मेहमानों के लिए अलग कॉस्ट है। ये खर्च आमतौर पर राष्ट्रपति की सैलरी से कवर किया जाता है। इस पर कई राष्ट्रपति सवाल भी उठा चुके, या मजाक में बोल भी चुके।

अजब...जंक फूड विरोधी को बनाया हेल्थ मिनिस्टर!

अमेरिका को रॉबर्ट एफ. कैनेडी जूनियर के रूप में नया हेल्थ मिनिस्टर मिल गया है। एंटी वैक्सीन एक्टिविस्ट कैनेडी के हेल्थ मिनिस्ट्री संभालते ही प्रोसेस्ड और फास्ट फूड पर उनकी गाज गिरने वाली हैं। उन्होंने पिछले महीने फॉक्स न्यूज को दिए एक इंटरव्यू में कहा था कि वह ट्रंप के कार्यकाल में स्वास्थ्य मंत्री का पद संभालते ही प्रोसेस्ड फूड को स्कूली बच्चों के लंचबॉक्स से पूरी तरह से हटा देंगे। हेल्दी और पोषणयुक्त आहार की वकालत करने वाले रॉबर्ट कैनेडी कई मौकों पर ट्रंप की फास्ट फूड खाने की हैबिट की आलोचना कर चुके हैं। रॉबर्ट ने कहा था कि ट्रंप हमेशा डाइट कोक पीते हैं. मैंने उन्हें कभी पानी पीते नहीं देखा. वह लंबी-लंबी फ्लाइट्स के दौरान भी कोक ही पी रहे होते हैं। राष्ट्रपति चुनाव के प्रचार के दौरान ट्रंप ने पेंसिल्वेनिया में मैकडॉनल्ड्स में कुक के तौर पर काम किया था।

पूर्वोत्तर के जीवन राग में बसी नदी ब्रह्मपुत्र

वीना गौतम

नदियां जीवनदायिनी होती हैं। नदी के किनारे ही इंसान जन्मा है और नदियों के किनारे ही दुनिया की सभी सभ्यताएं और संस्कृतियां फली-फूली हैं। धरती में नदियों के बिना जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती। लेकिन जलवायु परिवर्तन, बढ़ती आबादी और नदियों के प्रति आम लोगों की उदासीनता के चलते धरती में जल संकट तो गहराया ही है, अब नदियों के अस्तित्व पर भी संकट के बादल मंडरा रहे हैं। इसलिए नदियों का न केवल संरक्षण जरूरी है, बल्कि हमें अपनी नई पीढ़ियों को इनके प्रति संवेदनशील बनाना भी जरूरी है ताकि इनका अस्तित्व बचा रहे और धरती में इंसानी सभ्यता और संस्कृति भी हमेशा की तरह फलती-फूलती रहे।

ब्रह्मपुत्र पूर्वोत्तर भारत की सबसे महत्वपूर्ण नदी है। इसका उद्गम तिब्बत में मानसरोवर के पास है। इसे तिब्बत में त्सांगपो कहा जाता है। भारत में यह अरुणाचल प्रदेश से प्रवेश करती है और असम होते हुए बांग्लादेश जाती है। अपनी इस यात्रा के दौरान ब्रह्मपुत्र पूर्वोत्तर भारत की कई भौगोलिक संस्कृतियों और आर्थिक भूमिकाओं को रेखांकित करती है। अरुणाचल प्रदेश पूर्वोत्तर भारत का द्वार है। इसलिए यह अरुणाचल प्रदेश की ही नहीं, समूचे पूर्वोत्तर की सर्वाधिक महत्वपूर्ण नदी है। अरुणाचल प्रदेश में ब्रह्मपुत्र को सियांग कहते हैं और जब यह अरुणाचल से असम में प्रवेश करती है, तो इसका नाम ब्रह्मपुत्र हो जाता है। ब्रह्मपुत्र के रूप में ही यह बांग्लादेश में प्रवेश करती है। ब्रह्मपुत्र पूर्वोत्तर की जीवनधारा है। यह यहां के समाज और संस्कृति को गहरे तक प्रभावित करती है। ब्रह्मपुत्र के किनारे रहने वाली समस्त जातियां अपनी जीविका के साधनों के लिए ही नहीं, बल्कि अपने सारे सांस्कृतिक क्रियाकलापों और कर्मकांडों के लिए ब्रह्मपुत्र पर निर्भर हैं। इनकी जिंदगी के हर पहलू पर यह नदी जीवन आधार की तरह शामिल रहती है। पूर्वोत्तर के लोग खेती के लिए बड़े पैमाने पर ब्रह्मपुत्र के पानी पर निर्भर हैं। इसी नदी से यहां के लोगों को बड़े पैमाने पर मछलियां और पीने का पानी भी हासिल होता है। जीवन के साधनों की तरह ही पूर्वोत्तर के लोगों को अपनी कला, संगीत और सांस्कृतिक गतिविधियों का आधार भी ब्रह्मपुत्र से हासिल होता है। नदियां हमेशा से इंसान के जीवन का मूल आधार रही हैं। दुनिया की सारी सभ्यताओं का जन्म नदियों के किनारे ही हुआ। चाहे भारत में सिंधु नदी घाटी की सभ्यता हो या मिस्र में नील नदी घाटी की सभ्यता, सब नदियों के किनारे ही पनपी और फूली-फली हैं। भारतीय संस्कृति में तो नदियों को मां कहकर संबोधित किया जाता है। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि हमारे लिए नदियों का कितना महत्व है।

कुल 2900 किलोमीटर लंबी यह नदी हिमालय से निकलकर पूर्वोत्तर की घाटियों और मैदानों को समृद्ध बनाती है। असम के मैदानों में ब्रह्मपुत्र काफी चौड़ी हो जाती है, जिससे इसकी जलधारण की क्षमता बहुत ज्यादा बढ़ जाती है। ब्रह्मपुत्र की सहायक नदियां जैसे-लोहित, दिहांग और दिबांग, अपनी जलराशि से इसे विशाल नदी में परिवर्तित कर देती हैं। हालांकि, ब्रह्मपुत्र पूर्वोत्तर में अक्सर आने वाली बाढ़ का प्रमुख कारण भी बनती है, जो कई बार बहुत विनाशकारी होती है। लेकिन इसके अपने फायदे भी हैं। बाढ़ के चलते क्षेत्र में प्राकृतिक उर्वरता का संचार होता है। दरअसल, बाढ़ का पानी अपने साथ तरह-तरह की मिट्टी और पोषक तत्व लेकर आता है, जिससे बाढ़ के बाद बाढ़ वाले क्षेत्र बेहद उपजाऊ हो जाते हैं। असम के मैदानी क्षेत्रों में चावल, सरसों की बड़े पैमाने पर होने वाली शानदार खेती का एक कारण बाढ़ के जरिए उर्वर होने वाली मिट्टी भी है।

असम और अरुणाचल प्रदेश की जनजातियां इस नदी से बहुत गहरे तक जुड़ी हुई हैं। नदी किनारे रहने वाली, विशेषकर मिसिमी, निशि और बोरो जातियां ब्रह्मपुत्र को बहुत पवित्र मानती हैं। उनके सभी धार्मिक और सांस्कृतिक क्रियाकलापों में ब्रह्मपुत्र का शामिल होना जरूरी है। असम में लगने वाला विश्व प्रसिद्ध अंबुबासी मेला, कामाख्या मंदिर के परिसर में इसी नदी के तट पर लगता है।

इसी तरह माघ बिहू और रोंगाली बिहू की इंद्रधनुषी छटा भी इस ब्रह्मपुत्र के तट पर बिखरती है। जैसे उत्तर भारत में गंगा नदी की पूजा होती है, वैसे ही पूर्वोत्तर में ब्रह्मपुत्र की पूजा होती है। गंगा की तरह पूर्वोत्तर के लोग ब्रह्मपुत्र को मां का दर्जा देते हैं। यहां के लोगों के सुख-दुख में गाये जाने वाले गीतों, सुनायी जाने वाली कहानियों और ध्वनित होने वाली संगीत लहरियों में ब्रह्मपुत्र नदी धड़कती है। ब्रह्मपुत्र की पूजा केवल धार्मिक भावनाओं को ही नहीं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण की भावना को भी दर्शाती है।ब्रह्मपुत्र नदी का इस्तेमाल पूर्वोत्तर में परिवहन के एक बड़े साधन के रूप में भी सदियों से हो रहा है। इसके चलते असम और अरुणाचल प्रदेश के लोग सदियों से आपस में व्यापार करते हैं और एक-दूसरे के यहां सहजता से आवागमन करते हैं। हाल के सालों में भारत सरकार ने इस नदी को एक बेहतर जलमार्ग के रूप में विकसित करने के लिए कई महत्वपूर्ण योजनाएं शुरू की हैं।

ब्रह्मपुत्र नदी का भारत ही नहीं, बल्कि समूचे दक्षिण एशिया के लिए अत्यधिक पर्यावरणीय महत्व है। इस नदी का जलस्तर और प्रवाह हिमालय के ग्लेशियरों पर निर्भर करता है। क्योंकि हाल के दशकों में लगातार धरती का तापमान बढ़ रहा है, इसलिए ग्लेशियरों की पिघलने की रफ्तार काफी ज्यादा है, इस कारण ब्रह्मपुत्र का जलस्तर लगभग पूरे साल ही ऊंचा रहता है। लेकिन यह चिंता का विषय भी है कि अगर इसी तरह ग्लेशियर पिघलते रहे, तो एक ऐसा समय भी आ सकता है, जब पिघलने के लिए ग्लेशियर ही न बचें, तब ब्रह्मपुत्र में पानी का अभाव होगा।

ब्रह्मपुत्र देश की सबसे ज्यादा जैव विविधता से संपन्न नदी है। इसमें डॉल्फिन सहित दर्जनों तरह की मछलियां और दूसरे जलीय जीव रहते हैं। असम में यह नदी काजीरंगा नेशनल पार्क और मानस नेशनल पार्क जैसे विश्व धरोहर स्थलों से भी होकर बहती है। इस तरह यह नदी पूर्वोत्तर ही नहीं, बल्कि समूचे भारत की धड़कन है।

(साभार)

विश्व साहित्य का आकाश

द कलर पर्पल-अश्वेत स्त्री का संघर्ष

डॉ. विजय शर्मा

पुलित्जर पुरस्कृत एलिस वॉकर की प्रसिद्ध किताब 'द कलर पर्पल' (1982) 94 पत्रों की शृंखला द्वारा पितृसत्तात्मकता से एक स्त्री के निजी प्रतिरोध, स्त्री के सशक्तिकरण का ज्वलंत उदाहरण है। यह ग्रामीण जॉर्जिया में रहने वाली एफ्रो-अमेरिकी स्त्री की कहानी है। बचपन में दो बहनों- सीली और नेटी को अलग कर दिया जाता है, मगर दूरी एवं समय के अंतराल, लंबे समय की चुप्पी के बावजूद उनमें बहनापा, आशा-विश्वास बना रहता है।

एलिस वॉकर में साहस है कि वे कटु सत्य को ईमानदारी के साथ सीधे-सीधे इस उपन्यास में प्रस्तुत करती हैं। ऐसा यथार्थ जिन्हें जानबूझकर अनदेखा किया जाता है, जिन पर कोई बात करना ठीक नहीं समझता है, बात नहीं करना चाहता है। भय है, यदि बात करेंगे को वर्जनाएं टूट जाएंगी, सत्ता को ठेस पहुंचेगी, कुछ लोग कटघरे में घिर जाएंगे। पुरानी धारणाएं भहरा जाएंगी।घरेलू हिंसा (बलात्कार, जबरन गर्भपात, मारपीट) ऐसा ही एक यथार्थ है जिस पर समाज की संरचना टिकी हुई है, कुछ लोगों का अपने से कमजोर लोगों पर वर्चस्व कायम है। यदि इस विषय को छूआ तो बहुत कुछ हिल जाएगा। वॉकर इसे ही खोलती हैं और जोखिम उठाती हैं।

क्या जोखिम उठाए बिना समाज में परिवर्तन आ सकता है? एलिस वॉकर समाज में, न केवल अपने अश्वेत समाज में वरन पूरे अमेरिका या यूं कहें पूरे विश्व में परिवर्तन की वाहक हैं, क्योंकि यह समस्या मात्र अश्वेत-अश्वेत समाज की न होकर सार्वभौमिक और सार्वकालिक है। उपन्यास अत्याचार, बलात्कार, शक्तिहीनता, शक्ति, बहनापा, भेदभाव, अलगाव, प्रेम, यौन संबंध, घृणा, ईर्ष्या, अस्मिता, आत्मसम्मान, आवेश, ज्ञान और पराशक्ति आदि-आदि को चित्रित करता है।उपन्यास 'द कलर पर्पल' एक स्त्री की कहानी जो दमन-शोषण की अंधेरी दुनिया से शिक्षा के बल पर आत्मविश्वास-आत्मसम्मान के साथ उठ खड़ी होती है, अपनी स्वतंत्र पहचान बनाती है। इस किताब ने एलिस वॉकर को अश्वेत महिलाओं की प्रवक्ता बना दिया। वे अफ्रो-अमेरिकन का इतिहास दुनिया के साथ बांटने को प्रतिबद्ध हैं।आध्यात्मिकता से जुड़ी एलिस वॉकर अपने लेखन में भी इसे अभिव्यक्त करती हैं। लेखन में मानवीय रिश्ता है। एलिस कमजोरों के साथ मजबूती से खड़ी होती हैं, स्त्रियां विपरीत परिस्थियों में संघर्ष करती हैं और सोने की तरह तप कर खरी निकलती हैं, स्त्री-शक्ति, अस्मिता के साथ विजयी होती हैं।

एलिस वॉकर का कहना है कि वे पुरुषों को खुश करने के लिए नहीं लिखती हैं। उस व्यक्ति के प्रति सहानुभूति रखना कठिन है, जो आपके चेहरे पर मुक्का ताने रहता है। एक श्वेत पुरुष स्त्री के साथ जैसा व्यवहार करता है, ठीक वैसा ही व्यवहार अश्वेत पुरुष स्त्री के साथ करता है। अश्वेत स्त्री दोहरी-तिहरी मार झेलती है। वह श्वेत पुरुष, श्वेत स्त्री और अश्वेत पुरुष तीनों की प्रताड़ना सहन करने को बाध्य है।

'द कलर पर्पल' की कहानी बहुत सरल और छोटी-सी है। सीली और नेटी दो बहने हैं, सीली अपने पति मि. (वह इस व्यक्ति के डर से उसका नाम नहीं ले पाती है) और मि. के बच्चों के साथ अमेरिका में रहती है जबकि नेटी एक मिशनरी परिवार के साथ अफ्रीका में। सीली अपने पति की प्रेमिका शुग एवरी की सहायता से खुद का महत्व पहचानती है, अपने क्रूर पति से निकट संबंध स्थापित करती है। विवाह पूर्व पिता द्वारा बलात्कार के फलस्वरूप उत्पन्न सीली के दो बच्चे अफ्रीका में मिशनरी दम्पत्ति के पास हैं, नेटी उनकी देखभाल कर रही है। जब दोनों बहनें संग थीं, नेटी ने सीली को लिखना-पढ़ना सिखाया था। काफी समय तक सीली को नेटी के विषय में कुछ नहीं पता था क्योंकि उसका पति मि. नेटी के पत्र छिपा देता था। शुग उसे नेटी के पत्र देती है।

पहले सीली अपनी सारी बातें ईश्वर को पत्र लिख कर बताया करती थी, अब वह नेटी को पत्र लिखने लगी। सीली अपनी मेहनत और लगन से बीमार शुग को चंगा करती है। सीली का व्यवहार शुग को सीली के निकट ला देता है। नेटी से सीली को पता चलता है, जिसे वे अपना पा समझती थीं, वह उनका सौतेला पिता था। उनका अपना पिता उनके लिए काफी सम्पत्ति छोड़ गया था। उपन्यास के अंत में नेटी बच्चों सहित अमेरिका आ जाती है। सीली अपना व्यापार स्थापित करती है। शुग, सोफिया और मिस्टर अल्बर्ट तथा सीली में मधुर संबंध विकसित होता है।

उपन्यास की कहानी बीसवीं सदी के प्रारंभ में घटित होती है। बीस साल के लम्बे समय में ज्यों-ज्यों सीली समझदार और शिक्षित होती जाती है, त्यों-त्यों उसके पत्रों की भाषा बदलती जाती है, प्रौढ़ होती जाती है। उपन्यास पाठकों को सीली, नेटी, शुग एवरी, सोफिया और उनके अनुभवों से समृद्ध करता है। उनका दुःख-दर्द, उनका संघर्ष, उनका बहनापा, उनका विकास, उनका साहस, उनके उठ खड़े होने की अदम्य इच्छा, जिजीविषा पाठक को एफ्रो-अमेरिकन स्त्री जीवन के एक नए आयाम से परिचित कराता है।

एलिस वॉकर की प्रसिद्ध किताब 'द कलर पर्पल' पर हॉलीवुड के प्रसिद्ध फिल्म निर्देशक स्टीवन स्पियलबर्ग ने इसी नाम से फिल्म बनाई। हालांकि इसके लिए दृटीवान स्पियलबर्ग की काफी आलोचना की। फिल्म में शुग की भूमिका में सुंदरी तारिका काफी साफ रंग की मार्ग्रेट एवरी ने की है। नायिका सीली के रूप में वूफी गोल्डबर्ग हैं। डैनी ग्लोवर मिस्टर अलबर्ट की भूमिका में बड़ी सहजता से उतरते हैं। ओफ्रा विंफ्रे सोफिया के रूप में दर्शकों की सहानुभूति बटोरने में कामयाब हैं। उनकी चाल और व्यवहार सोफिया के व्यक्तित्व से मेल खाता है। अकोसुआ बूसिया ने नेटी की भूमिका की है, पर फिल्म में वह बहुत सीमित है। स्पियलबर्ग पार आरोप है कि उन्होंने फिल्म केलिए उचित अभिनेताओं का चुनाव नहीं किया वे अश्वेत समुदाय का सही प्रतिनिधित्व प्रस्तुत न कर सके।

मेरे विचार से इसके बावजूद स्पियलबर्ग द्वारा निर्मित फिल्म देखी जानी चाहिए। इस उपन्यास 'द कलर पर्पल' को न केवल पढ़ा जाना चाहिए बल्कि इसे पढ़ाया भी जाना चाहिए।

(साभार यह लेखिका के विचार हैं)

मुलताई विधायक में दिखाई दरियादिली : एमएलए चंद्रशेखर देशमुख द्वारा 60 दिव्यांग बच्चों को विधायक निधि से 1000-1000 रुपए देने की घोषणा की

नर्मदापुरम , दोपहर मेट्रो

जनपद शिक्षा केंद्र मुलताई द्वारा दिव्यांग बच्चों का मनोबल बढ़ाने के लिए विकासखंड स्तरीय खेल कूद प्रतियोगिता का आयोजन शासकीय नवीन हाई स्कूल मुलताई के प्रांगण में रखा गया। जहां दिव्यांग बच्चों द्वारा अलग अलग खेल प्रतियोगिता में भाग लेकर अपना हुनर दिखाया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर मुलताई विधानसभा विधायक चंद्रशेखर देशमुख की उपस्थिति रही। विधायक चंद्रशेखर देशमुख ने वहां उपस्थिति 60 दिव्यांग बच्चों को विधायक निधि से 1000 - 1000 हजार रुपए देने की घोषणा की। विधायक चंद्रशेखर देशमुख ने कहा कि खेलों का व्यक्ति के जीवन में बहुत महत्व होता हैं। खेल शारीरिक, मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी बहुत उपयोगी होता हैं। खेल से व्यक्ति के अंदर नेतृत्व करने के

साथ परिस्थितियों से लड़कर निकलने की क्षमता का विकास होता हैं।

विधायक ने कहा कि भारत की केंद्र सरकार द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में खेलो को बढ़ावा देने के लिए खेलो इंडिया सहित अनेक कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। विधायक ने कहा कि खेल से बच्चों को आगे बढ़ने के अनेकों अवसर प्राप्त होते हैं सरकार इसके लिए निरन्तर प्रयासरत हैं। खेल के द्वारा बच्चों को देश विदेश में जाकर स्वयं के सहित देश प्रदेश का नाम रोशन करने अवसर प्राप्त होता हैं, इसलिए बच्चों को अधिक से अधिक संख्या में खेलो में अपनी भागीदारी बढ़ानी चाहिए। इस दौरान उनके साथ भाजपा के वरिष्ठ नेता राजेश पाठक, नवीन पवार, धर्मेंद्र नरवरे, अभिषेक खंडेलवाल, भूषण चौधरी सहित अन्य भाजपा कार्यकर्ताओ की उपस्थिति रही।

संभागायुक्त केजी तिवारी ने समीक्षा बैठक में कहा

नर्मदा किनारे व आसपास शराब की बिक्री न हो, करें प्रभावी कार्यवाही

आबकारी अधिकारी ले ऐक्शन, नर्मदापुरम को ड्राई क्षेत्र ही रहने दें

नर्मदापुरम , दोपहर मेट्रो

नर्मदापुरम संभागायुक्त केजी तिवारी ने बुधवार को विभिन्न विभागों की योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। संभागायुक्त ने खाद एवं नागरिक आपूर्ति विभाग, आबकारी विभाग, जिला परिवहन विभाग, जिला खनिज विभाग, जिला पंजीयन एवं स्टांप विभाग, वाणिज्य कर विभाग, नापतोल विभाग तथा द्वितीय सत्र में जिला पेंशन कार्यालय, स्कूल शिक्षा विभाग, अनुसूचित जाति जनजाति, अंत्य व्यवसायी विकास निगम, आदिवासी वित्त विकास निगम, उच्च शिक्षा विभाग, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण विभाग तथा जनजातीय कार्य विभाग की योजनाओं मैं हुई प्रगति की समीक्षा की। इस दौरान निरंतर जनप्रतिनिधियों सहित मीडिया से मिल रही प्रतिबंधित नर्मदापुरम में

धड़ल्ले से अवैध शराब विक्रय की मिल रही शिकायतों पर संज्ञान लेते हुए संभागायुक्त ने आबकारी विभाग की समीक्षा करते हुए सभी जिला आबकारी अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे अपने-अपने जिले में अवैध शराब की बिक्री पर प्रभावशील कार्रवाई करना सुनिश्चित करें।

कहीं भी अवैध शराब का भंडारण या अवैध परिवहन होता पाया जाए तो उस पर तत्काल कार्रवाई की जाए। संभागायुक्त ने कहा कि नर्मदा नदी के किनारे एवं आसपास शराब की बिक्री ना हो। नर्मदापुरम ड्राई क्षेत्र है तो उसे ड्राई ही रहने दे।

संभागायुक्त ने कहां की ड्राई क्षेत्र में जो गतिविधियां चल रही है उस पर जिला आबकारी अधिकारी लगातार एक्शन ले। खनिज विभाग की समीक्षा करते संभागायुक्त ने निर्देश दिए की सभी जिला खनिज अधिकारी खनिजों के अवैध उत्खनन, भंडारण एवं परिवहन पर सख्त कार्रवाई करें। जिला खनिज अधिकारी रेत के ओवरलोड डंपरों पर भी प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करें और फील्ड में लगातार सक्रिय रहे। संभागायुक्त ने सभी जिला परिवहन अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं के ड्राइविंग लाइसेंस प्राथमिकता से बनाना सुनिश्चित करें। इसके लिए परीक्षाओं से पूर्व ही महाविद्यालय में कैंप लगाकर ड्राइविंग लाइसेंस बनाए जाएं। संभागायुक्त ने कहा कि ओवरलोड यात्री एवं स्कूली बसों पर भी प्रभावी कार्रवाई की जाए।

07 दिसंबर 2024 को आयोजित होगी आरआईसी

नर्मदापुरम संभाग में रीजनल इंडस्ट्री कांफ्रेंस की तैयारियाँ पूरी गति से जारी

नर्मदापुरम , दोपहर मेट्रो

नर्मदापुरम संभाग में आगामी रीजनल इंडस्ट्री कांफ्रेंस (RIC) की तैयारियाँ जोरों पर हैं। यह कार्यक्रम 07 दिसंबर 2024 को आयोजित होने जा रहा है और इसके आयोजन के लिए संभाग के तीनों जिलों में व्यापक स्तर पर व्यवस्थाएँ की जा रही हैं।

इस सम्मेलन का उद्देश्य क्षेत्रीय उद्योगों के बीच नेटवर्किंग, नवीनतम उद्योग विकास योजनाओं की जानकारी और व्यापारिक अवसरों की उपलब्धता पर चर्चा करना है। नर्मदापुरम जिले में इस कार्यक्रम की तैयारी के लिए प्रशासन द्वारा विशेष रूप से नगर की साज-सज्जा और आर.आई.सी. से संबंधित सभी व्यवस्थाओं पर ध्यान दिया जा रहा है। कलेक्टर नर्मदापुरम सोनिया मीना द्वारा इस कार्यक्रम की सफलता के लिए नियमित रूप से सभी विभागों को दिशा-निर्देश दिए जा रहे हैं और तैयारियों का बार-बार निरीक्षण भी किया जा रहा है। जिला प्रशासन ने 03 दिसंबर 2024 तक सभी आवश्यक तैयारियाँ पूरी करने का लक्ष्य निर्धारित किया है, ताकि कार्यक्रम से पहले सभी व्यवस्थाएँ सही तरीके से सुनिश्चित की जा सकें। इसमें स्थल की सजावट, मंच की स्थापना, उद्योग प्रतिनिधियों के लिए आवास की व्यवस्था, और सुरक्षा व्यवस्थाओं सहित सभी पहलुओं को ध्यान में रखा गया है।

पंजीकरण और प्रवेश पत्र वितरण

कार्यक्रम में भाग लेने के लिए अब तक 919 प्रतिभागियों ने पंजीकरण कराया है। इनमें से 448 प्रवेश पत्र अब तक वितरित किए जा चुके हैं। महाप्रबंधक, जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र, नर्मदापुरम के अनुसार प्रवेश पत्रों का वितरण निरंतर किया जा रहा है। प्रतिभागियों के बीच इस कार्यक्रम को लेकर अत्यधिक उत्साह और उमंग देखने को मिल रही है, और वे इसे एक बड़े अवसर के रूप में देख रहे हैं।

जिला स्तर पर पंजीकरण और प्रवेश पत्र वितरण

नर्मदापुरम जिले के अलावा, बैतूल और हरदा जिलों में भी पंजीकरण की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। बैतूल जिले में 1128 पंजीकरण किए गए हैं, जिनमें से अब तक 250 प्रवेश पत्र वितरित किए जा चुके हैं। हरदा जिले में 964 पंजीकरण हुए हैं, जिनमें से 163 प्रवेश पत्र वितरित किए गए हैं। यह भी बताया गया है कि दोनों जिलों में प्रशासन द्वारा सफलतापूर्वक प्रतिभागियों को समय पर प्रवेश पत्र उपलब्ध कराए जा रहे हैं। नर्मदापुरम जिले के युवा उद्यमियों के बीच इस कार्यक्रम को लेकर विशेष उत्साह है। उन्हें विश्वास है कि यह कार्यक्रम उन्हें उद्योग जगत में नए अवसरों के बारे में जानकारी प्रदान करेगा और उनकी कारोबारी संभावनाओं को और बढ़ावा मिलेगा। साथ ही, इस सम्मेलन के दौरान विभिन्न उद्योग क्षेत्र के विशेषज्ञों और उद्यमियों के साथ नेटवर्किंग का भी शानदार अवसर मिलेगा।

नर्मदापुरम संभाग का यह आयोजन न केवल व्यापारिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि यह क्षेत्रीय उद्योगों के लिए एक नया मार्ग प्रशस्त करेगा। कलेक्टर नर्मदापुरम सोनिया मीना ने कार्यक्रम के आयोजन को संभाग के औद्योगिक विकास के लिए एक ऐतिहासिक कदम बताया है।

इस सम्मेलन के आयोजन से न केवल स्थानीय उद्यमियों को बल्कि पूरे क्षेत्र को नए व्यापारिक अवसर मिलेंगे और साथ ही उद्योग जगत में रोजगार के नए अवसर उत्पन्न होंगे। प्रशासन का मानना है कि इस कार्यक्रम के माध्यम से क्षेत्र के उद्योगों को नए तकनीकी विकास, व्यापार नीति और निवेश के अवसरों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त होगी।

दो दिवसीय स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन हुआ

इटारसी, दोपहर मेट्रो

पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय क्रमांक 2 सीपीई इटारसी में दो दिवसीय स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया।

इस शिविर में डॉक्टर प्रणय चौबे एमबीबीएस एमएस ,डॉ करण चौबे (पीडियाट्रिशियन), डॉ गौरव चौबे बीडीएस ने बच्चों का स्वास्थ्य संबंधी परीक्षण किया। 26 नवंबर से 28 नवंबर तक हुए इस शिविर में विद्यालय की ओर से प्रभारी प्राचार्य सुभाष चंद्र एवं पुस्तकालय अध्यक्ष अखिलेश कुमार उपाध्याय ने छात्रों को अपनी जिज्ञासा एवं प्रश्नों को माननीय चिकित्सकों से पूछने के लिए प्रोत्साहित किया।सभी अतिथि चिकित्सक अत्यंत मिलनसार एवं मृदु भाषी थे। उन्होंने बच्चों को उनके खानपान , पोषक आहार ,दांतों की देखभाल, साफ सफाई का महत्व आदि विषयों पर बहुत विस्तार से समझाया।उनकी दी सलाह को बच्चों ने बहुत ध्यान से सुना।उल्लेखनीय है कि सभी चिकित्सक केंद्रीय विद्यालय के पूर्व छात्र रहे हैं।

ग्राम देश मोहनी में एड्स जागरूकता रैली निकाली

नर्मदापुरम , दोपहर मेट्रो

एन ई एस महाविद्यालय द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों द्वारा देश मोहिनी गांव में रेड रिबन क्लब एड्स जागरूकता अभियान के अंतर्गत ग्राम वासियों को जागरूक किया एचआईवी एवं एड्स की जानकारी ग्राम की महिलाओं एवं बुजुर्गों को दी. देश मोहिनी गांव में एड्स जागरूकता की रैली निकाली गई एवं ग्राम वासियों को एड्स के प्रति जागरूक किया गया।

स्वयंसेवकों द्वारा घर-घर जाकर एड्स की जानकारी एवं एड्स से संबंधित आवश्यक बातों को स्वयंसेवकों द्वारा ग्राम वासियों को बताया गया। एड्स एक ऐसी जानलेवा बीमारी है जो मानवीय प्रतिरक्षी अपूर्णता एचआईवी संक्रमण के बाद होती है। एचआईवी

संक्रमण के पश्चात मानवीय शरीर की प्रतिरोधक क्षमता घटने लगती है। एड्स का पूर्ण रूप से उपचार अभी तक संभव नहीं हो सका है। एचआईवी संक्रमित व्यक्ति में एड्स की पहचान संभावित लक्षणों के दिखने के पश्चात ही हो पाती है स्वयंसेवकों द्वारा ग्राम ग्राम वासियों को एड्स एचआईवी पॉजिटिव के लक्षण जैसे बुखार, ठंड लगना , गले में खराश, मांसपेशियों में दर्द , शरीर पर चकत्ते होना , रात को पसीना आना , थकान होना। जॉइंट पेन आदि की जानकारी दी। स्वयंसेवकों द्वारा देश मोहिनी गांव के ग्राम वासियों को एड्स जागरूकता अभियान के अंतर्गत जागरूक किया। इस अवसर पर एन ई एस महाविद्यालय के रेड रिबन क्लब के प्रभारी रवि शंकर मिश्रा, प्रवीण मीणा एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी अंबिका राजपूत एवं महाविद्यालय का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

हम होंगे कामयाब पखवाड़ा अंतर्गत जागरूकता रैली

नर्मदापुरम , दोपहर मेट्रो

केंद्र एवं राज्य सरकार के मार्गदर्शन में चलाए जा रहे 'हम होंगे कामयाब' पखवाड़ा अंतर्गत महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान के लिए विशेष जागरूकता अभियान मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद् के मार्गदर्शन में ग्राम पंचायत खैरी कलॉ पिपरिया में किया गया। इस अभियान के माध्यम समाज में महिलाओं की वर्तमान स्थिति को और अधिक सुदृढ़ करने, उनके अधिकारों एवं दायित्वों के प्रति जागरूक करने तथा समाज में महिलाओं को मुख्य धारा से जुड़ने, स्वयं व अपने परिवारजनों को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित किया। इस मौक़े पर महिलाओं की आर्थिक एवं सामाजिक स्थिति में सुधार के लिए सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं, उनसे होने वाले लाभों के बारे में बताया गया। वित्तीय साक्षरता के माध्यम से महिलाओं को बताया कि कैसे छोटे से छोटे प्रयास से उनके व्यक्तिगत जीवन व पारिवारिक जीवन को सुखमय बनाया जा सकता है। सही समय पर रोज़गार न चुनने पर आने वाली चुनौतियां एवं सरकार द्वारा चलाए जा रहे कौशल विकास कोर्स एवं कैरियर काउंसिलिंग के माध्यम से बेहतर जीवन प्रबंधन पर जोर दिया। महिलाओं को रोज़गार एवं स्वरोजगार को चुनने एवं एम एस डब्ल्यू व बी एस डब्ल्यू कोर्स के माध्यम से समाज सेवा के क्षेत्र में मुख्य धारा से जुड़ने के लिए आवाहन किया।

मेट्रो एंकर घरेलू हिंसा से महिलाओं की सुरक्षा अधिनियम पर हुई कार्यशाला

70 वर्ष के बुजुर्गों के आयुष्मान कार्ड बनाए, सम्मानित भी किया

इटारसी, दोपहर मेट्रो

सरकार द्वारा जेंडर पर आधारित हिंसा की रोकथाम हेतु जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। मध्य प्रदेश में यह जागरूकता अभियान हम होंगे कामयाब पखवाड़ा विशेष जागरूकता अभियान नाम से संचालित किया जा रहा है,उक्त कार्यक्रम के प्रभावी संचालन हेतु कैलेंडर तैयार कर प्रतिदिन आयोजित की जाने वाली गतिविधियों का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया गया है,जिसके परिपालन शनिवार को सेक्टर स्तर पर समुदाय वर्ग को सम्मिलित करते हुए।

शैक्षणिक संस्थान व समुदाय में घरेलू हिंसा अधिनियम 2005 कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम 2012 भारतीय न्याय संहिता 2023 और पीड़ित मुआवजा के संबंध, भारतीय नागरिकता सुरक्षा संहिता 2023 के तहत विशेष अधिकारों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए कार्यशाला आयोजित की गई ।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में एएसआई रीना खरे, पार्षद श्रीमती गीता पटेल,अटल बाल पालक श्रीमती राखी दुबे, जीवोदय संस्था से भूरेलाल धुर्वे, कुमारी मोनिका गोस्वामी, अधिवक्ता राम किशोर केवट, परियोजना अधिकारी श्रीमती दीप्ति शुक्ला उपस्थिति रहीं।

श्रीमती दीप्ति शुक्ला द्वारा विभाग की सभी योजनाओं की जानकारी दी गई, एएस आई रीना खरे द्वारा सोशल मीडिया के माध्यम से हो रहे शोषण के विषय में जानकारी दी गई।

पार्षद श्रीमती गीता पटेल द्वारा लाडो अभियान के तहत बाल विवाह रोक हेतु एवं बालिका की सुरक्षा, अधिकार के लिए शपथ दिलाई गई एवं 70 वर्ष की उम्र को पार कर चुके सभी बुजुर्ग जनों का म गए एवं उन्हें सम्मानित किया गया। इसी प्रकार वार्ड में 50 आयुष्मान कार्ड बनाए जा चुके हैं।

कार्यक्रम के अंत में आभार व्यक्त श्रीमती राधा मालवीय द्वारा किया गया। कार्यक्रम में वार्ड की समस्त आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सहायिका उपस्थिति रही ।

मतदाता शिक्षा और जागरूकता के सर्वोत्तम अभियान को मिलेगा नेशनल मीडिया अवार्ड

नर्मदापुरम। भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली द्वारा मतदाता शिक्षा और मतदान जागरूकता के सर्वोत्तम अभियान के लिये नेशनल मीडिया अवार्ड-2024 प्रदान किये जायेंगे। मीडिया संस्थानों को पुरस्कार चार श्रेणियों में प्रदान किये जायेंगे। पुरस्कार मतदाताओं को मतदान के लिये प्रेरित करने और मतदान के प्रति जागरूकता के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिये चलाये जा रहे उत्कृष्ट अभियानों को प्रोत्साहित करने के लिये दिये जायेंगे। आयोग ने 10 दिसम्बर 2024 तक संस्थानों से प्रस्ताव आमंत्रित किये हैं। प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक (टेलीविजन) मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक (रेडियो) मीडिया और ऑनलाइन (इंटरनेट एवं सोशल) मीडिया श्रेणियों में पृथक-पृथक पुरस्कार दिये जायेंगे। वर्ष-2024 में मतदान के प्रति मतदाताओं को जागरूक करने के लिये मीडिया संस्थानों द्वारा किये गये उत्कृष्ट कार्यों और विशिष्ट उपलब्धियों को प्रदर्शित करते हुए चार पृथक-पृथक श्रेणियों में अपने प्रस्ताव भेजने होंगे।

सिरोंज में कलेक्टर के निर्देश पर अवैध कालोनियों पर प्रशासन की बड़ी कार्यवाही

कईयों के गेट तोड़े, नोटिस भी जारी किये अवैध कालोनियां प्रशासन के निशाने पर

अवैध कालोनियों पर दर्ज हो सकता है प्रकरण

सिरोंज , दोपहर मेट्रो

अवैध रूप से कॉलोनी काटने वालों पर कलेक्टर के निर्देश पर प्रशासन ने कार्रवाई करते हुए 4 कॉलोनियों के गेट तोड़े गए हैं एक का रास्ता खोद कर बंद किया है । अवैध कॉलोनी में लगे प्रचार बोर्ड को भी नगर पालिका के अमले में जप्त कर लिया।

प्रशासन की कार्रवाई की भनक लगते अवैध रूप से कॉलोनी काटने वालों मैं हड़कंप मच गया जिन कॉलोनी में कार्रवाई करने के लिए तहसीलदार संजय चौरसिया, सीएमओ राम प्रकाश साहू पहुंचे तो इन कॉलोनी में हो रही कार्रवाई से बचने के लिए कॉलोनाइजर्स अधिकारियों से बात करने का प्रयास भी करते हुए नजर आए मौके पर मीडिया थी वहीं प्रशासन ने अपनी कार्रवाई को जारी रखा किसी की बात कोई ध्यान अबैध रूप से बनाई जा रही इन कॉलोनी कई सालों के बाद भी विकास तो कोसों दूर है रहवासियों को मूलभूत सुविधा के लिए भी तरस रहे हैं । इन कॉलोनी में रहने वालों को स्थाई रूप से बिजली का कनेक्शन नहीं है गंदगी की भरमार है। शनिवार को तहसीलदार संजय चौरसिया ने कार्रवाई करते हुए बताया कलेक्टर के निर्देश पर कार्रवाई की जा रही है हमने एक दिन पहले जायज लिया था अभी प्राथमिक करवाई। प्रारंभ की है। जिसमें वृंदावन धाम, गोल्डन सिटी फेस 2, गोल्डन कॉलोनी राधिका पुरम सन सिटी कॉलोनी में गेट तोड़ने और रास्ता खोदने की कार्रवाई करते सामग्री और बैनर पोस्टर भी जप्त किए हैं। सभी अवैध कॉलोनियों की सूची बना रहे हैं नोटिस भी जारी आगे। दोपहर के बाद तहसीलदार ने सीएमओ और अमले के साथ अवैध रूप से कट रही कॉलोनियों में कलेक्टर रोशन सिंह के निर्देश के बाद कार्रवाई का दौर प्रारंभ हुआ है।

शहर मैं अभी बात करेंगे अवैध कॉलोनियों की संख्या 75 के करीब बताई जा रही है। इनमें से अधिकांश कॉलोनाइजरों को राजनीतिक और प्रशासनिक संरक्षण प्राप्त है तभी तो इतने सालों के बाद भी अवैध रूप से कट रही कॉलोनी में कोई कार्रवाई नहीं हुई है।

इन अबैध कॉलोनी में रहने वाली जनता आज भी मूलभूत सुविधा के लिए परेशान हो रही है । शिकायतों के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं होने से अबैध रूप से कॉलोनी काटने वालों हौसले बुलंद है। लंबे इंतजार के बाद कलेक्टर के निर्देश पर अवैध रूप से कॉलोनी कटने बालों पर प्रशासन शिकंजा कसना प्रारंभ किया है।

कॉलोनी काटने के दौरान भोली भाली जनता को अपने झांसे मैं लेने के लिए कॉलोनाइजर्स बड़े-बड़े सपने दिखाते हैं प्लांट बेचने के बाद कोई काम नहीं करते हैं इन कॉलोनी रहने वाले लोगों की परेशानी को दोपहर मेट्रो के द्वारा जनहित में लगातार प्रकाशित करके अधिकारियों के संज्ञान में लाने का काम किया इसके बाद कलेक्टर ने करवाई शुरू कर दी है जल्दी ही एफआईआर भी हो सकती है।

इनका कहना है

> अवैध रूप से कट रही कॉलोनी में कार्रवाई करते हुए गेट आदि तोडे हैं इन सभी को नोटिस भी जारी करेंगे।
> -संजय चौरसिया तहसीलदार

यूरिया की कालाबाजारी रोकने एसडीएम की छापामार कार्यवाही, सिद्धि विनायक ट्रेडर्स दुकान सील

सिरोंज , दोपहर मेट्रो

शनिवार को एसडीएम हर्षल चौधरी ने यूरिया खाद की कालाबाजारी रोकने के लिए छापा मार कार्रवाई करते हुए सिद्धिविनायक ट्रेडर्स को सील करने की कार्रवाई करते हुए अधिक दामों पर यूरिया खाद बेचने वाले दुकान के सेल्समेन पर प्रकरण दर्ज करने के लिए थाना प्रभारी निर्देशित कार्रवाई करने के लिए पंचनामा बनाकर दुकान को सील करने के लिए कृषि विभाग के अमले को बुलाया अचानक कार्रवाई करने से पहले एसडीएम ने किसान को दुकान पर यूरिया खाद लेने के लिए भेजा जहां पर किसान को यूरिया खाद की बोरी 450 रुपए देते हुए भुगतान फोन पे पर ऑनलाइन लेने के बाद एसडीएम ने तत्काल छापा मार कार्रवाई करते हुए हुए सिद्धिविनायक ट्रेडर्स को सील किया इसके बाद खाद विक्रेता में हड़काम पर मच गया काफी देर तक एसडीएम ने खड़े होकर अपनी कार्रवाई को अंजाम दिया इस समय डीएपी और यूरिया

की किल्लत हो रही है इसी बात का फायदा उठाकर अधिक दामों खाद बेचने का काम अधिकांश विक्रेताओं के द्वारा किया जा रहा है। एसडीएम हर्षल चौधरी ने बताया सिद्धि विनायक ट्रेडर्स पर यूरिया खाद खरीदने पर कृषक अरविंद पुत्र भैया साहू को 267 की बोरी 450 बेची गई एवं फोन पे के माध्यम से भुगतान लिया गया। इसके बाद हमने मौके पर, तहसीलदार, थाना प्रभारी, कृषि विभाग एवं राजस्व अमले के द्वारा दुकान सील की गई। कृषि विभाग को संबंधित के विरुद्ध मामला दर्ज करने हेतु निर्देशित किया।

श्रमदान से तालाब साफ करवाने, नपा ने चलाया अभियान

सिरोंज। नगर पालिका परिषद ने नवीन बस स्टैंड स्थित तालाब को जन सहयोग से साफ स्वच्छ बनाने के लिए अभियान प्रारंभ किया जिसमें शनिवार को नगर पालिका परिषद के अधिकारी कर्मचारियों ने अपने हाथों से सफाई करते हुए गंदगी को तालाब के किनारे से एकत्रित करके कचरा गड़ी से टचिंग ग्राउंड भेजा । मुख्य नगर पालिका अधिकारी राम प्रकाश साहू ने बताया की श्रमदान से तालाब की सफाई करने के लिए पहल इसमें हमारे परिषद के अधिकारी कर्मचारियों ने श्रमदान करते हुए सफाई किए हमारा प्रयास है कि शहर के लोग भी श्रमदान करने के लिए आगे आए इसके लिए हम अभियान चलाएंगे परिषद के अधिकारी कर्मचारी ने भी श्रमदान किया

नामांतरण, बंटवारा, अभिलेख दुरूस्तगी, सीमांकन, पीएम किसान आधार सीडिंग पर कार्यवाही जारी

सिरोंज। कलेक्टर रौशन कुमार सिंह के मार्गदर्शन में राजस्व महा अभियान 3.0 के तहत चिंहित पैरामीटर संबंधी कार्य पूर्णतया की ओर अग्रसर हो रहें हैं। अधीक्षक भू अभिलेख श्रीमती कृष्णा रावत ने बताया कि विदिशा जिले में नामांतरण, बंटवारा, अभिलेख दुरूस्तगी, नक्शे बंटाकन, सीमांकन परंपरागत रास्तों का चिन्हांकन, पीएम किसान आधार सीडिंग, फार्मर रजिस्ट्री, नक्शे मे बटांकन के प्रकरणों का निराकरण किया जा रहा है। एसएलआर श्रीमती रावत ने बताया कि राजस्व महा अभियान 3.0 के तहत नामांतरण 1082 प्रकरणों के

शीतलहर से बचने की सावधानियां बताई

सिरोंज , दोपहर मेट्रो

सिरोंज। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ योगेश तिवारी ने जिले के नागरिकों से आह्वान किया है कि शीतलहर से बचने के लिए पर्याप्त मात्रा में गर्म कपड़े जैसे- दस्ताने, टोपी, मफलर, एवं जूते आदि पहनें। शीतलहर के समय चुस्त कपड़े ना पहनें यह रक्त संचार को कम करता है, इसलिये हल्के ढीले-ढाले एवं सूती कपड़े बाहर की तरफ एवं ऊनी कपड़े अंदर की तरफ पहने। शीत लहर के समय जितना संभव हो सके घर के अंदर ही रहें और कोशिश करें कि अतिआवश्यक हो तो ही बाहर यात्रा करें।

पर्याप्त मात्रा में पोषक तत्वों से युक्त भोजन ग्रहण करें एवं शरीर की प्रतिरक्षा बनाए रखने के लिए विटामिन-सी से भरपूर फल और सब्जियां खाएं एवं नियमित रूप से गर्म पेय पदार्थ का अवश्य सेवन करें। बुजुर्ग, नवजात शिशुओं तथा बच्चों का यथा संभव अधिक ध्यान रखें क्योंकि उन्हें शीत ऋतु का प्रभाव होने की आशंका अधिक रहती है, उनके द्वारा टोपी, मफलर, मौजे, स्वेटर इत्यादि का उपयोग किया जाये।

आवश्यकतानुसार रूम हीटर का उपयोग करें एवं रूम हीटर के प्रयोग के दौरान पर्याप्त हवा निकासी का प्रबंध रखें अत्यधिक ठंड पड़ने से प्रभावित शरीर के हिस्से पर मालिश ना करें इससे अधिक नुकसान भी हो सकता है। शीत लहर में अधिक ठंड के लम्बे समय तक सम्पर्क में रहने से त्वचा कठोर एवं सुन्न हो सकती है।

शरीर के अंगों जैसे- हाथ पैर की उंगलियों, नाक एवं कान में लाल. फफोले हो सकते हैं। शरीर के भाग के मृत हो जाने पर त्वचा का लाल रंग बदलकर काला हो सकता है। यह बहुत खतरनाक है और इसे गैंग्रीन रोग कहा जाता है। इसके लिए तत्काल चिकित्सक से परामर्श लें।

केयर कम्पेनियन प्रोग्राम के तहत एक दिवसीय प्रशिक्षण

सिरोंज , दोपहर मेट्रो

यह कार्यक्रम मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सुदृढ़ीकरण हेतु राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, मध्यप्रदेश का एक अनूठा प्रयास है जिसमे सहयोगी संस्था योसेड (नूरा हेल्थ) द्वारा इस कार्यक्रम को आवश्यक तकनीकी सहयोग प्रदान किया जा रहा हैं, कम्पैनियन का अर्थ हैं साथी इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य अस्पताल में भर्ती रोगियों के साथ आने वाले परिजनों को स्वास्थ्य शिक्षा प्रदान करना है। इस प्रशिक्षण के माध्यम से उन्हें मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य के विषय में जागरूक किया जाता है, जिससे वे स्वास्थ्य देखभाल में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकें। इस कार्यक्रम के अंतर्गत अस्पताल की नर्सिंग ऑफिसर द्वारा ग्रुप काउंसलिंग सत्र के माध्यम से परिजनों को प्रशिक्षित किया गया है, जो इस कार्यक्रम की सफलता और प्रभावशीलता को दर्शाता है। इस कार्यक्रम के माध्यम से अस्पताल आने वाले गर्भवती/प्रसूता महिला एवम उनके

परिजनो को विविध टूल्स के माध्यम से स्वस्थ्य शिक्षा के बारे में जानकारी दी जा रही है, इसके साथ ही एक निशुल्क मोबाइल स्वस्थ सेवा के उपयोग के बारे मे भी बताया जा रहा है, जिसके कारण समुदाय मैं भी आवश्यक स्वस्थ सम्बन्धित जागरूकता बढ़ेगी। योसेड (नूरा हेल्थ) के तकनीकी सहयोग से जिला अस्पताल शहडोल द्वारा आयोजित इस कार्यशाला में नर्सिंग अधिकारियों के कौशलवर्धन के माध्यम से ष्केयर कम्पेनियन प्रोग्रामष् के उद्देश्यों और कार्यप्रणाली से अवगत कराया गया हैं, जिससे वे भविष्य में इस कार्यक्रम के तहत अधिक से अधिक परिजनों को प्रभावी ढंग से स्वस्थ शिक्षा के बारे में प्रशिक्षित कर सकें। प्रशिक्षण के उपरांत बीएमओ डॉ. विकास सिंह बघेल, शिशुरोग विशेषज्ञ डॉ. सुरेश अग्रवाल ओर एमओ डॉ. पूजा रघुवंशी ने प्रमाण पत्रों का वितरण कर सभी को संबोधित कर प्रभावी परामर्श पर जोर देने की बात की साथ ही पूरे साल भर कि सीसीपी रिपोर्ट की समीक्षा कर नियमित सत्रों को आयोजित करने की आवश्यकता पर जोर देने को कहा । प्रशिक्षण को नूराहेल्थ से प्रशिक्षक गोरव शर्मा ने संपन्न कर नियमित सत्रों की उपयोगिता पर चर्चा कर सत्रों के दोरान उपयोग किये जाने वाले उपकरणों का परिचय कराया । तथा प्रशिक्षण के दौरान अभ्यास सत्रों का भी आयोजन किया गया । प्रशिक्षण में डॉ. सुजा बेग, बीपीएम प्रियंका, बीसीएम मोसिन एंव समस्त नर्सिंग अधिकारी उपस्थित रहे।

राजस्व महाअभियान के शिविरों से लाभ उठाने की अपील

सभी किसान भाई ई-केवाईसी और फॉर्मल रजिस्ट्री जरूर करवाएं

सिरोंज , दोपहर मेट्रो

जिले में राजस्व महा अभियान 03 के अंतर्गत प्रत्येक कस्बा पटवारी कार्यालय पर फार्मर रजिस्टेशन अर्थात किसान पंजीयन शिविर का आयोजन प्रतिदिन किया जा रहा है । इन शिविरों में शामिल होकर लाभ उठाने की अपील जिला प्रशासन द्वारा की गई है।

कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने विदिशा जिले में राजस्व शिवरों के माध्यम से सुगमता से अपने काम करा सके इसके लिए तमाम प्रबंधों को खास कर कृषकों के लिए सुनिश्चित किये गए है। कृषक बंधु आज ही अपना फार्मर पंजीयन करवाये। नगर गाँव के समस्त किसानो को सभी शासकीय योजनाओ का लाभ लेने के लिये अपना किसान पंजीयन करवाना अनिवार्य है।

यह पंजीयन नही करवाने पर प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधी की किश्ते रुक सकती है। समस्त कृषक अपने आवश्यक दस्तावेज जैसे समग्र आईडी, आधार कार्ड, अपनी भूमि की पावती,मोबाईल फोन जो आधार से लिंक हो के साथ राजस्व कस्बा पटवारी कार्यालय में उपस्थित होकर ई -केवायसी व कृषक पंजीयन जरूर करावे या स्थानीय कियोस्क, सीएससी सेंटर पर भी जाकर अपना पंजीयन करवा सकते है।

गौरतलब हो कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधी योजना हेतु फार्मर रजिस्ट्री अनिवार्य है। राजस्व कैंप में अधिक से अधिक कृषक बंधु पधारकर अपनी ई केवाईसी और फॉर्मल रजिस्ट्री करवा ले अन्यथा आगे सारी सरकारी योजनाएं रुक जाने की संभावनाएं बढ़ जाएगी।

राजस्व महा अभियान 3.0 की निहित बिंदुएं पूर्णता की ओर अग्रसर

मेट्रो एंकर नगर के मुख्य बाजार में बढ़ रहे अतिक्रमण को लेकर नगर पालिका प्रशासन हरकत में

स्वेच्छा से अतिक्रमण हटाने के लिए बाजार में निकला प्रशासन

सिरोंज , दोपहर मेट्रो

नगर के मुख्य बाजार में दिनों दिन बढ़ रहे अतिक्रमण को लेकर नगर पालिका प्रशासन एक बार फिर हरकत में आया है। शनिवार को जनप्रतिनिधियों, तहसीलदार एवं प्रभारी सीएमओ के नेतृत्व में नपा का अमला नगर के मुख्य बाजार में पसरे अतिक्रमण को स्वेच्छा से हटाने की अपील करने दुकानदारों के बीच पहुंचा। इस दौरान कर्मचारियों ने अपने हाथों में अतिक्रमण हटाने को लेकर हाथों में तख्तियां भी थाम रखी थी।

इस दौरान प्रशासन ने अपनी हद से अधिक सीमा तक फैला रखे अतिक्रमण को नाली के भीतर रखने

की सख्त हिदायत दी। इस दौरान सड़क पर फैली और सीमा से अत्यधिक बाहर जमी दुकानों का नगरपालिका के अमले ने चलानी कार्यवाही करने का प्रयास किया तो इस मुहिम में शामिल पार्षद प्रतिनिधि सचिन शर्मा ने यह कहकर अमले को चलानी कार्यवाही करने से मना कर दिया कि आज हम सिर्फ दुकानदारों को समझाइश देने की अपील तथा स्वेच्छा से अपना अतिक्रमण हटाने की अपील करने को लेकर बाजार में निकले हैं। आज के बाद अगर बाजार में कोई व्यवसाय करता हुआ हाथ ठेला तथा दुकानदारों के द्वारा अतिक्रमण पाया जावे तब आप चलानी अथवा सामान जप्ती की कार्यवाही कर सकते है। गौरतलब हे कि नगर के मुख्य बाजार में दुकानदारों सहित चलते फिरते व्यवसाय करने वालो के कारण बाजार सिकुड़ता जा रहा है जिससे आम नागरिकों राहगीरों का बाजार में पैदल चलना भी मुश्किल हो रहा है। जिसको लेकर प्रशासन ने सख्तीपूर्वक अतिक्रम हटाने की योजना बनाई थी जिसकी जानकारी विधायक उमाकांत शर्मा को लगने पर उन्होंने प्रशासन के साथ स्वयं बाजार में आकर दुकानदारों से स्वेच्छा से अतिक्रमण हटाने की अपील करने का निर्णय लिया था लेकिन एन वक्त पर भोपाल में आवश्यक कार्यक्रम आ जाने से वे इस मुहिम में शामिल नहीं हो सकें थे जिससे अन्य जनप्रतिनिधि एवं प्रशासनिक अधिकारी माइक पर ऐलान करते तथा दुकानदारों को समझाइश देते कथाली बाजार तक पहुंचे। इस दौरान नपाध्यक्ष मनमोहन साहू, तहसीलदार संजय चौरसिया, सीएमओ रामप्रकाश साहू, संतोष शहरिया आदि के साथ नपा के कर्मचारी उपस्थित रहें।

रबी बोवनी हेतु उर्वरकों की पर्याप्त व्यवस्था

सिरोंज। कलेक्टर रौशन कुमार सिंह के विशेष प्रयासों से विदिशा जिले में सभी प्रकारों के खादों आपूर्ति सुनिश्चित हुई है। किसान कल्याण कृषि विकास विभाग के उप संचालक केएस खपेडिया ने बताया कि जिले में रबी फसलों की बौनी हेतु विगत सप्ताह में 3 रैक यूरिया , 3 रैक डीएपी एवं 4 रैक एनपीके की रैक प्राप्त हुई है। खपेडिया ने बताया कि जिले के डबल लॉक केन्द्रों में 1300 मै. टन यूरिया, डीएपी 800 मै. टन एवं एन.पी.के. 645 मै. टन एवं सहकारी समितियों में 723 मै. टन यूरिया , 2048 मै. टन डीएपी. , 1451 मै. टन एनपीके खाद की उपलब्ध है। इसके साथ-साथ जिले के निजी उर्वरक विक्रेताओं के पास 1184 मै. टन यूरिया, 1500 मै. टन

नगद इनाम की घोषणा

सिरोंज। पुलिस अधीक्षक रोहित काशवानी ने थाना पठारी में दर्ज अपराध के फरार अज्ञात आरोपी की सूचना देने अथवा गिरफ्तारी कराने में मदद करने वाले के लिए पांच हजार रूपए नगद इनाम देने की घोषणा की है। थाना पठारी में दर्ज अपराध प्रकरण क्रमांक 37/2021 का फरार अज्ञात आरोपी की सूचना अथवा गिरफ्तारी में मदद करने वाले के लिए पांच हजार रूपए का नगद इनाम घोषित किया गया है। सूचना देने वाला व्यक्ति चाहे तो उसका नाम गोपनीय रखा जाएगा।

जेवलिन थ्रो को छोड़ क्रिकेटर बनीं तजमीन

एक्सीडेंट के बाद ओलंपिक खेलने का सपना टूटा पर हार नहीं मानी

दुबई. एजेंसी

जेवलिन थ्रो में यूथ वर्ल्ड चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता और अपने देश की ओलंपिक टीम में चुनी गई, लेकिन किस्मत को कुछ और ही मंजूर था। दिसंबर, 2011 में एक कार एक्सीडेंट में तजमीन ब्रिट्स का ओलंपिक खेलने का सपना चकनाचूर हो गया, लेकिन तजमीन ने हार नहीं मानी और क्रिकेट खेलना शुरू किया। अब वे आइसीसी महिला टी-20 विश्व कप में दक्षिण अफ्रीका का प्रतिनिधित्व करने जा रही हैं, लेकिन तजमीन की सबसे बड़ी ताकत उनकी मां हौसलाअफजाई के लिए यहां मौजूद नहीं होंगी। दो सप्ताह पूर्व ही पता चला है कि तजमीन की मां को ब्रेस्ट कैंसर है। उन्होंने एक इंटरव्यू में कहा, संघर्ष कभी खत्म नहीं होता, लेकिन अब मुझे पता है कि इससे कैसे निपटना है। आपको आगे बढ़ते रहना होगा, नहीं तो दुनिया आपको निगल जाएगी। तजमीन ने बताया कि 2011 में जब मेरा कार एक्सीडेंट हुआ तो ऐसा लगा सबकुछ खत्म हो गया। मैं टूट गई थी।

पिता को खोया, अब मां ही मेरी हिम्मत

तजमीन के लिए उनकी मां ही सबकुछ हैं। साल 2021 में कोविड के कारण अपने पिता को खोने के बाद मां हर कदम पर उनके साथ खड़ी रही हैं। तजमीन ने कहा, मेरे बुरे दौर में मां और पिता ही थे, जिन्होंने मुझे फिर से जीने के लिए प्रेरित किया। उन्हीं की वजह से मैं क्रिकेट में करियर बना सकी। तजमीन ने कहा, भले ही मां विश्व कप के दौरान यहां नहीं होंगी, लेकिन मैं उनके लिए सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहती हूं।

चैंपियंस ट्रॉफी हाइब्रिड मॉडल पर होगी, भारत के दबाव में झुका पाकिस्तान, कहा-

2031 तक इंडिया में होने वाले टूर्नामेंट भी इसी मॉडल पर हों

दुबई, एजेंसी

चैंपियंस ट्रॉफी फरवरी-मार्च में खेली जाएगी। अगले साल फरवरी में होने वाली आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी हाइब्रिड मॉडल पर होगी। यानी पाकिस्तान के साथ-साथ इस टूर्नामेंट के मुकाबले न्यूट्रल वेन्यू पर खेले जाएंगे। न्यूज एजेंसी के अनुसार- बैठक में इस प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया कि टीम इंडिया के मैच न्यूट्रल वेन्यू पर होंगे। हालांकि पाकिस्तान ने आईसीसी के सामने कुछ शर्तें रखी है। पीसीबी चाहता है कि उसके फाइनेंशियल ईयर का रेवेन्यू 5.75 परसेंट से बढ़ाया जाए। साथ ही 2031 तक भारत में होने वाले सभी बड़े इवेंट हाइब्रिड मॉडल में हो। भारत ने इस टूर्नामेंट के लिए अपनी टीम पाकिस्तान भेजने से इनकार कर दिया था। पाकिस्तान शुरुआत में तो इस बात पर अड़ा रहा कि भारत को पाकिस्तान आना ही होगा। लेकिन, भारत के सख्त रुख के बाद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड आखिरकार हाइब्रिड मॉडल के लिए तैयार हो गया है। इससे पहले हाइब्रिड मॉडल को लेकर हुई बैठक को तक के लिए टाल दिया गया था।

सुरक्षा कारणों से पाकिस्तान नहीं जाएगी टीम इंडिया पाकिस्तान को जब चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी मिली तभी से यह कयास लगाए जा रहे थे कि भारतीय टीम पाकिस्तान जाने से इनकार कर सकती है। भारत ने इससे पहले 2023 में एशिया कप खेलने के लिए भी पाकिस्तान जाने से मना कर दिया था। तब एशिया कप में भारत के मुकाबले श्रीलंका में कराए गए थे। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने पहले भारत के सभी मैच लाहौर में कराने और मैच के बाद खिलाड़ियों को भारत भेजने का प्रस्ताव रखा था। भारत ने इसे नहीं माना तो ने हाइब्रिड मॉडल के लिए भी मना कर दिया। भारत और पाकिस्तान के बीच आखिरी

द्विपक्षीय सीरीज जनवरी 2013 में हुई थी। तब से दोनों टीमें आईसीसी टूर्नामेंट में ही भिड़ी हैं। भारत और पाकिस्तान के बीच आखिरी द्विपक्षीय सीरीज जनवरी 2013 में हुई थी। तब से दोनों टीमें आईसीसी टूर्नामेंट में ही भिड़ी हैं। विदेश मंत्रालय ने कहा, किसी भी हाल में पाकिस्तान नहीं जाएगा भारत शुक्रवार को विदेश मंत्रालय ने भी साफ कर दिया था कि भारतीय टीम पाकिस्तान नहीं जाएगी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने इस खबर की पुष्टि की। उन्होंने कहा, सुरक्षा कारणों का हवाला देकर पाकिस्तान जाने से मना किया है। टीम इंडिया किसी भी हाल में चैंपियंस ट्रॉफी खेलने के लिए पाकिस्तान नहीं जाएगी। अगर भारत के बिना टूर्नामेंट खेलना चाहता है तो टीम उसके लिए भी तैयार है। पीसीबी अध्यक्ष ने हाइब्रिड मॉडल के लिए कर दिया था मना पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने पहले कहा था कि वे हाइब्रिड मॉडल में टूर्नामेंट कराने को कभी स्वीकार नहीं करेंगे। चैंपियंस ट्रॉफी के लिए उनका रुख बहुत स्पष्ट है। पाकिस्तान क्रिकेट के लिए जो भी सबसे अच्छा हो सकता है, हम वो करेंगे। यह पूरी तरह से सही नहीं हैं कि हम भारत में खेलने जाए और वे यहां नहीं खेलें। जब तक भारत, पाकिस्तान में अपनी टीम भेजने से इनकार करता रहेगा, तब तक पाकिस्तान टीम भी भारत की यात्रा नहीं करेगी। हमने आईसीसी से कहा है कि फैसला जो भी हो, बराबरी के आधार पर हो। पाकिस्तान ने स्टेडियम को रेनोवेट कराया पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड चैंपियंस ट्रॉफी 2025 को लेकर लगातार तैयारी कर रहा है। तीनों स्टेडियम का काम तकरीबन पूरा कर लिया है। उन्होंने लाहौर, कराची और रावलपिंडी स्टेडियम के रेनोवेशन पर 12.5 बिलियन पाकिस्तान रुपए खर्च किए हैं।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

रोड एक्सीडेंट में खराब हुआ था महिमा का चेहरा, बोलीं

मैंने अजय देवगन से कहा था कि इसे सीकेट रखें...

महिमा चौधरी इन दिनों अपनी कमबैक फिल्म द सिग्नेचर की तैयारी में बिजी हैं। इस फिल्म से वे आठ साल बाद फिल्मों में वापसी करेंगी। इसी बीच महिमा ने एक इंटरव्यू में 1999 में फिल्म दिल क्या करे की शूटिंग के दौरान हुए रोड एक्सीडेंट के बारे में बात की है। महिमा फिल्म दिल क्या करे की शूटिंग के आखिरी दिन जब लोकेशन पर जा रही थीं तभी उनकी कार को एक ट्रक ने टक्कर मार दी थी। इस हादसे में महिमा के चेहरे पर काफी चोट आई थी। महिमा ने कहा कि एक्सीडेंट के बाद उन्होंने अपने को-स्टार अजय देवगन और डायरेक्टर प्रकाश झा से गुजारिश की थी कि वो इस बात को सीक्रेट रखें, नहीं तो उन्हें फिल्म इंडस्ट्री बायकॉट कर देगी। महिमा ने कहा, जब मेरा एक्सीडेंट हुआ, मुझे इस बात का अंदाजा नहीं था कि मेरे फेस पर कितने कट्स लगे हैं। एक दिन मैंने खुद को बाथरुम के मिरर में देखा। उससे पहले मैं प्रकाश झा से कह रही थी कि चलिए शूटिंग करते हैं क्योंकि डॉक्टर्स मुझे देख चुके थे। उन्होंने कहा कि नहीं अभी रुको।

बहुत मुश्किल समय था

महिमा ने आगे कहा, वो बहुत मुश्किल समय था क्योंकि मैं तब काफी यंग थी। अजय मुझे बार-बार समझाते थे कि सर्जरी के बाद सब ठीक हो जाएगा लेकिन मैं उनकी बात नहीं सुनती थी। मैं अन्य करियर ऑप्शन के बारे में सोचने लगी थी। आज भी मेरी एक आंख दूसरी आंख से छोटी है। मैं तब से कैमरा सामने से फेस नहीं करती, हमेशा कोई एंगल से अपना चेहरा छुपाने की कोशिश करती हूं। बता दें 1997 से 2002 तक महिमा का करियर बेहतरीन रहा। इस पीरियड में उन्होंने परदेस, दाग द फायर, धड़कन और कुरुक्षेत्र जैसी कई हिट फिल्मों में काम किया।

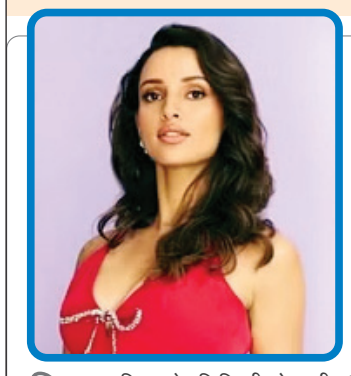

लैला-मजनू की शूटिंग के दौरान रोती थीं

तृप्ति, बोलीं- एक्टिंग का 'ए' तक भी नहीं पता था

फिल्म एनिमल से तृप्ति डिमरी को इतनी ख्याति मिली है कि उनके पास फिल्मों की लाइन लग गई है। फिल्म एनिमल में 'भाभी 2' के नाम से प्रसिद्ध हुईं तृप्ति की इस साल कई फिल्में रिलीज होने वाली हैं, जो रोमांस, थ्रिलर, सस्पेंस और हॉरर से भरपूर होंगी। अभिनेत्री अपनी आगामी फिल्म विक्की विद्या का वो वाला वीडियो को लेकर चर्चा में चल रही हैं। अब हाल ही में, अभिनेत्री ने बताया कि 'लैला मजनू' की शूटिंग के दौरान वह घर जाकर रोती थीं। उन्होंने स्वीकार किया कि जब वह मुंबई आईं तो उन्हें अभिनय का 'ए' भी नहीं पता था। एक इंटरव्यू में, तृप्ति ने साझा किया कि उन्हें शुरू में अभिनय का कोई शौक नहीं था और उन्होंने इसे करियर विकल्प नहीं माना। अभिनेत्री ने कहा, मैं बस कुछ अलग करना चाहती थी। मैं कभी भी एकेडमिक में अच्छी नहीं थी। मैंने अपने माता-पिता से कहा कि मैं मॉडलिंग आजमाने जा रही हूं। अभिनेत्री ने यह भी बताया कि उनके माता-पिता शुरू में उनके मुंबई जाने को लेकर काफी डरे हुए थे, खासकर क्योंकि वह एक शर्मीली, इंट्रोवर्ट थीं, जिन्होंने कभी दिल्ली से बाहर कदम नहीं रखा था। वे पहले इंडस्ट्री या मॉडलिंग में प्रवेश करने के उसके फैसले से भी खुश नहीं थे। फिर भी उन्होंने आगे बढ़ाने का फैसला किया ताकि बाद में उन्हें पछतावा न हो। तृप्ति ने बताया कि लैला-मजनू की शूटिंग के दौरान घर आकर रोती थीं। अभिनेत्री ने कहा, मैं घर जाकर रोती थी, यह सोचकर कि क्या मैं सही काम कर रही हूं? क्योंकि मुझे समझ नहीं आता था कि वे क्या कह रहे हैं या उनकी भाषा क्या है। उन्होंने आगे कहा कि उनका एक हिस्सा फिल्म छोड़ना चाहता था।

'बॉर्डर 2' में सुनील शेट्टी के बेटे अहान की एंट्री पक्की, सनी देओल ने पोस्ट साझा कर किया एलान

वर्ष 1997 में आई फिल्म बॉर्डर का सीक्वल आ रहा है। निर्माता बॉर्डर 2 की तैयारियों में व्यस्त हैं और नए-नए सितारों का नाम इस फिल्म से जुड़ता जा रहा है। इस फिल्म में सुनील शेट्टी के बेटे अहान शेट्टी के होने की चर्चा तेज थी। आज इन चर्चाओं पर मुहर लग गई है। खुद सनी देओल ने सोशल मीडिया पोस्ट साझा कर बॉर्डर 2 बटालियन में अहान का स्वागत किया है। सनी देओल ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट साझा किया है। इसके साथ लिखा है, फिल्म बॉर्डर 2 बटालियन में फौजी अहान शेट्टी का स्वागत है। सनी देओल ने फिल्म का टीजर वीडियो भी जारी किया है। जिसे पार नहीं कर पाता दुश्मन, वह न तो कोई लकीर है, न दीवार न खाई। और क्या है यह? बस एक फौजी और उसके भाई। अहान शेट्टी ने भी इंस्टाग्राम पर पोस्ट साझा किया है। इसके साथ लिखा है, बॉर्डर सिर्फ एक फिल्म नहीं है, यह इससे कहीं अधिक है। यह एक विरासत है, एक भावना है। और इसी के साथ एक सपना सच हुआ है। अहान ने आगे लिखा, जीवन कितना विडंबनापूर्ण है। बॉर्डर के साथ मेरी यात्रा 29 साल पहले शुरू हुई थी, जब मां गर्भवती थीं।

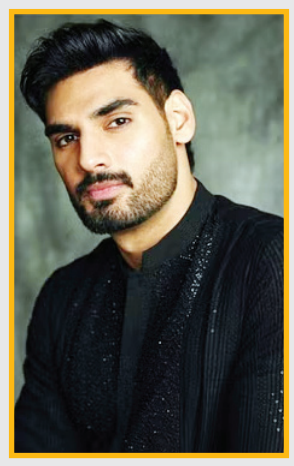

रणजी चैंपियन मुंबई और शेष भारत के बीच था मुकाबला

मुंबई 27 साल बाद ईरानी ट्रॉफी चैंपियन, शेष भारत को हराया

लखनऊ. एजेंसी

अजिंक्य रहाणे की कप्तानी में रणजी चैंपियन मुंबई ने शानदार प्रदर्शन कायम रखते हुए शनिवार को ईरानी ट्रॉफी अपने नाम कर ली। मुंबई की टीम ने करीब तीन दशक का खिताबी इंतजार खत्म किया और 27 साल (1997-98) के लंबे अंतराल के बाद यह ट्रॉफी जीती है। मुंबई ने शेष भारत के साथ पांच दिवसीय मुकाबला ड्रॉ खेला और पहली पारी की बढ़त के आधार पर खिताब अपने नाम किया। वहीं, शेष भारत की बादशाहत खत्म हो गई, जिसने 2019-20 से लगातार तीन बार यह ट्रॉफी जीती थी। दूसरी पारी में मुंबई ने 167 रन तक सात विकेट गंवा दिए थे लेकिन आठवें नंबर पर उतरे तनुष कोटियन ने शतक जड़कर टीम को उबार लिया। तनुष ने 150 गेंदों में 10 चौके और एक छक्के के साथ नाबाद 114 रन बनाए। तनुष ने 10वें नंबर पर उतरे मोहित अवस्थी (51) के साथ नौवें विकेट के लिए नाबाद 158 रन जोड़े। बल्लेबाजों का रहा दबदबा-इस मुकाबले में मुंबई के बल्लेबाजों का दबदबा रहा। पहली पारी में मुंबई ने 537 रन का विशाल स्कोर बनाया और शेष भारत को 416 रन पर आउट करके 121 रन की अहम बढ़त हासिल की। दूसरी पारी में भी मुंबई ने मैच समाप्त होने तक आठ विकेट पर 329 रन बनाए।

शूटिंग में भारत ने जीता ग्यारहवां स्वर्ण

लीमा. एजेंसी

भारतीय जूनियर शूटिंग टीम ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन जारी रखते हुए चल रही अंतरराष्ट्रीय शूटिंग स्पोर्ट फेडरेशन जूनियर विश्व चैंपियनशिप में अपना 11वां स्वर्ण पदक जीता, जिसमें मुकेश नेलावल्ली, राजवर्धन पाटिल और हरसिमर सिंह रत्था की तिकड़ी ने जूनियर पुरुषों की 25 मीटर रैपिड-फायर पिस्टल (आरएफपी) में टीम स्पर्धा जीती। यह प्रतियोगिता में मुकेश का चौथा स्वर्ण भी था। मुकेश,राजवर्धन ने भी आरएफपी में व्यक्तिगत फाइनल में जगह बनाई, राजवर्धन शॉट्स की पहली छह सीरीज में 17 हिट के साथ चौथे स्थान पर रहे, जबकि मुकेश पहले ही पांचवें स्थान पर बाहर हो गए।

जानिए.... कितना आम है

माइग्रेन

माइग्रेन होना सिरदर्द से कहीं ज्यादा तकलीफदेह होता है. क्या आपने कभी सोचा है कि ये दौरा ज्यादातर सुबह के समय ही क्यों पड़ता है? नई रिसर्च में इसके कारण का खुलासा हो गया है. माइग्रेन एक तरह का सिरदर्द होता है, जिसमें सिर के एक तरफ तेज दर्द होता है. ये दर्द चुभता हुआ महसूस होता है.

Life&Style METRO

जाने क्या है समस्या

अक्सर सुबह होने वाले माइग्रेन को कौन सी चीजें ट्रिगर करती हैं, इस बारे में वैज्ञानिकों को अब तक पूरी तरह से पता नहीं था. लेकिन अब जर्नल न्यूरोलॉजी में पब्लिश एक नई स्टडी में बताया गया है कि माइग्रेन का दौरा पड़ने के दो सबसे बड़े कारण क्या हैं. इस स्टडी से अब ये भविष्यवाणी करने में भी मदद मिल सकती है कि मरीज को अगला दौरा कब पड़ने वाला है और शायद इससे बचाव भी किया जा सकता है. नई स्टडी के बारें में विस्तार से बताया है. माइग्रेन बहुत आम है. रिसर्च से पता चला है कि अमेरिका में लगभग 12 फीसदी लोग माइग्रेन का अनुभव करते हैं. इसका मतलब है कि हर 10 में से 1 व्यक्ति माइग्रेन से पीड़ित होता है. यह महिलाओं में पुरुषों की तुलना में ज्यादा आम है. अनुमान है कि 18 फीसदी महिलाएं और 6 फीसदी पुरुष माइग्रेन का अनुभव करते हैं।

माइग्रेन दौरा कब पड़ने वाला है, ये कैसे पता करें?

शोधकर्ताओं ने यह जानने की कोशिश की कि क्या सिरदर्द होने से पहले लोगों के मूड, नींद, एनर्जी और तनाव के लेवल में कोई बदलाव होता है. जर्नल न्यूरोलॉजी में प्रकाशित एक नई स्टडी बताती है कि स्मार्टफोन ऐप्स या डायरी जिनकी मदद से उनकी नींद, व्यवहार और भावनात्मक स्थिति को ट्रैक किया जा सकता है, वो कुछ मरीजों में होने वाले सिरदर्द का पहले से पता लगा सकती हैं. अध्ययन में पाया गया कि जिन लोगों को सुबह माइग्रेन होता था, उनमें पिछले दिन एनर्जी लेवल कम पाया गया और रात की नींद भी अच्छी नहीं रही. दिलचस्प बात ये है कि चिंता और किसी तरह का मानसिक रोग होने का सीधा संबंध सिरदर्द से नहीं पाया गया, खासकर माइग्रेन होने की स्थिति में।

क्या सिरदर्द को रोका जा सकता है?

रिसर्च ये तो साबित नहीं कर पाया कि टेंशन या डिप्रेशन सीधे तौर पर सिरदर्द का कारण बनते हैं, लेकिन ये जरूर बताया गया है कि अच्छी नींद और एनर्जी का लेवल बनाए रखना कितना जरूरी है. माइग्रेन के दौरे के दौरान मितली व उल्टी जैसी समस्याएं नींद में परेशानी डाल सकती हैं. खानेपीने की आदतों व हार्मोन्स में बदलाव माइग्रेन को कैसे ट्रिगर करते हैं, इस पर इस रिसर्च में अभी ज्यादा जानकारी नहीं मिली है. न्यूयॉर्क में स्थित मोंटेफियोर मेडिकल सेंटर की माइग्रेन एक्सपर्ट जेलेना पावलोविक का कहना है कि माइग्रेन का सबसे कारगर इलाज है हर रात अच्छी नींद लेना।

आज से 37 थानों में साइबर हेल्प डेस्क

भोपाल। रविवार से भोपाल के सभी नगरीय 37 थानों में सायबर हेल्प डेस्क का शुरू हो गया है। हेल्प डेस्क की जिम्मेदारी करीब 400 पुलिस कर्मचारी संभालेंगे। इसके पहले इन सभी पुलिस कर्मचारियों की कार्यकुशलता और तकनीकी नॉलेज बढ़ाने को लेकर सभी थानों के अधिकारियों और कर्मचारी को 6 दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया है। सायबर अपराध लगातार बढ़ रहे हैं। वर्तमान में आमजन को सायबर धोखाधड़ी की शिकायत के लिए सायबर शाखा जाकर आवदेन देना पड़ता है। शहर में एक ही सायबर थाना होने और अधिकतर थानों से काफी दूरी के कारण पीड़ितों को शिकायत के लिए सायबर थाने जाने में काफी समय लगता था और काफी परेशानी होती थी. पिछले कुछ वर्षों में सायबर अपराधों में बेतहाशा वृद्धि होने से शाखा में शिकायतें पेंडिंग हो रही हैं। इसे ध्यान में रखते हुए आमजन की सहूलियत के लिए 1 दिसंबर से सायबर अपराध से पीड़ित 5 लाख रुपए तक की धोखाधड़ी की शिकायत संबंधित थानों में कर सकेंगे। जल्द शिकायत होने से पीड़ित का पैसा सायबर पुलिस त्वरित कार्यवाही कर होल्ड करेगी, जिससे रिफंड होने की संभावना काफी बढ़ जाएगी। पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों की कार्यकुशलता, तकनीकी नॉलेज बड़ाने के लिए नगरीय पुलिस भोपाल के 37 थानों के निरीक्षक से आरक्षक स्तर के लगभग 400 अधिकारी और कर्मचारियों को 6 दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया। इसमें एनसीसीआरपी, जेएमआईएस एवं सीईआईआर पोर्टल तथा सायबर क्राइम की रोकथाम, टेक्निकल एनालिसिस, पब्लिक अवेयरनेस, इन्वेस्टिगेशन इत्यादि से संबंधित विस्तृत प्रशिक्षण प्रदान किया गया है। प्रशिक्षण में बताया गया कि सायबर क्राइम की शिकायत को किस प्रकार से पोर्टल पर अपलोड करना, फेसबुक, इंस्टाग्राम, एक्स, इत्यादि से जानकारी मंगाना एवं बैंक से अकाउंट डिटेल, सीडीआर निकालना, साक्ष्यों एवं जानकारी को एकत्रित करने के बारे में विस्तार से प्रशिक्षित किया गया है। चेन सिस्टम से करना होगा काम प्रशिक्षण के दौरान पुलिस उपायुक्त क्राइम अखिल पटेल ने व्यक्तिगत अनुभव साझा करते हुए बताया कि सायबर क्राइम में अपराध की जड़ तक जाने के लिए चेन सिस्टम से कार्य करना होगा।

बार-बार नगर निगम हटा देता था ठेला तो गांजे की तस्करी कर दी शुरू

भोपाल। अवधपुरी पुलिस ने एक गांजा तस्कर को गिरफ्तार कर उसके पास से 1 किलो 200 ग्राम गांजा जब्त किया है। आरोपी ने पूछताछ में बताया कि वह पानीपुरी का ठेला लगाता था। नगर निगम द्वारा बार-बार अतिक्रमण में ठेला होने का कहकर उस पर कार्रवाई करती थी, जिससे उसे नुकसान होता था। लिहाजा उसने अपना काम बदल कर गांजे की तस्करी शुरू कर दी थी। पुलिस के अनुसार मुखबिर की सूचना बीडीए कॉलोनी में सुशील जोशी नामक व्यक्ति को हिरासत में लिया गया था। उसकी तलाशी लेने पर उसके पास से गांजे की पुड़िया मिली। पुड़िया जब्त कर वजन कराया गया तो कुल 1 किलो 200 ग्राम गांजा होने की पुष्टि हुई। पुलिस ने उससे पूछताछ की तो उसने अपना नाम सुशील जोशी बताया उसने पूछताछ में बताया कि वह मूलतः झांसी, उत्तर प्रदेश का रहने वाला है। कुछ वर्षों से अवधपुरी इलाके में पानीपुरी ठेला लगाता था। नगर निगम के कर्मचारी बार-बार अतिक्रमण के नाम पर उसका ठेला उठा कर ले जाते थे। जिसके बाद उसने पानी पुरी का काम बंद कर दिया। पानी पूरी का काम बंद करने के बाद आरोपी ने झांसी से गांजा लाकर शहर में बेचने का काम शुरू कर दिया। तस्कर ट्रेन से कम मात्रा में भोपाल गांजा लेकर आता था और उसकी पुड़िया बनाकर शहर में बेचता था। पुलिस आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धाराओं में कार्रवाई कर रही है।

साइबर क्राइम ब्रांच करेगी जालसाजों की तलाश, रिटायर्ड महिला डॉक्टर से ठगी का मामला

भोपाल। अवधपुरी में रहने वाली रिटायर्ड महिला डाक्टर को डिजिटल अरेस्ट कर 10.50 लाख रुपये की ठगी करने वाले जालसाजों को अब सायबर क्राइम ब्रांच तलाश करेगी। शुक्रवार को रेस्क्यू करने के बाद मामला सायबर क्राइम ब्रांच को सौंप दिया गया है। क्राइम ब्रांच केस दर्ज कर जल्द ही जांच शुरू कर देगी। फिलहाल पुलिस के पास जालसाजों के दो मोबाइल नंबर और एक बैंक एकाउंट की जानकारी है। पुलिस दोनों ही मोबाइलों की सीडीआर निकवा रही है। जानकारी के अनुसार डॉ। रागिनी मिश्रा (65) रिटायर्ड डाक्टर हैं। वह अपने पति डॉ। महेश मिश्रा के साथ अवधपुरी स्थित रीगल पैराडाइज में रहती हैं। पिछले बुधवार को उनके मोबाइल पर अज्ञात व्यक्ति का फोन आया। उसने खुद को महाराष्ट्र पुलिस बताते हुए नंबर ब्लाक करने की जानकारी दी। डाक्टर रागिनी ने जब कारण पूछा तो बताया गया कि आपके केनरा बैंक एकाउंट में एक एयरवेज कंपनी की तरफ से 473 करोड़ रुपये का लेन-देन किया गया है, जो मनी लॉडरिंग की श्रेणी में आता है। डाक्टर ने जब उक्त बैंक एकाउंट अपना होने से इंकार किया तो फोन करने वाले ने सीबीआई के नाम पर उन्हें डराया और डिजिटल अरेस्ट कर लिया। अगले दिन गुरुवार को जालसाजों ने एनआईएफटी के माध्यम से एक बैंक एकाउंट में डाक्टर से साड़े दस लाख रुपये डलवा लिए। ठगी का एहसास होने पर शुक्रवार सुबह डाक्टर ने अपने पति को जानकारी दी, जिसके बाद मामला पुलिस अफसरों तक पहुंचा। घर पहुंचे गोविंदपुरा एसीपी दीपक नायक ने जालसाजों से बात की तो वह उन्हें केंद्रीय जांच एजेंसी का हवाला देते हुए काम में दखल नहीं देने का बोलने लगे। एसीपी ने जब उन्हें अपना पुलिसिया अंदाज बताया तो जालसाजों ने फोन डिस्कनेक्ट कर दिया था। क्राइम ब्रांच को सौंपी गई जांच शनिवार को यह मामला भोपाल सायबर क्राइम ब्रांच को सौंप दिया गया। सायबर क्राइम ब्रांच द्वारा अज्ञात जालसाजों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच की जाएगी। जालासजों के दोनों मोबाइल की सीडीआर निकलवाई जाएगी। साथ ही यह पता लगाया जाएगा कि जिस एकाउंट में रुपये जमा करवाए गए हैं, वह किसके नाम पर है। उसके बाद आरोपियों की गिरफ्तारी की जाएगी।

डीजीपी ने दी पौने तीन साल सेवाएं, पुलिस बल की आत्मीयता मेरी धरोहर

भोपाल। डीजीपी सुधीर सक्सेना ने पौने तीन साल सेवाएं दी। विदाई के समय वह भावुक हो गए। उन्होंने कहा कि पौने तीन साल के कार्यकाल में पूरे पुलिस बल ने जो आत्मीयता, सहयोग व सम्मान मुझे दिया वह मेरे लिए एक धरोहर है। सदैव अविस्मरणीय रहेगा। चाहे पुलिस मुख्यालय की विभिन्न शाखाओं के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक व उनके अधीनस्थ अधिकारी व कर्मचारी हों या विभिन्न मैदानी इकाईयों के अधिकारी व कर्मचारी हों, सभी ने पूर्ण समर्पण व कर्तव्य निष्ठा से काम करते हुए प्रदेश में कानून व्यवस्था बनाए रखने में उल्लेखनीय कार्य किया। मैंने प्रदेश व देश में अनेक स्थानों पर विभिन्न पदों पर अपनी सेवायें दी हैं किन्तु मैं पूरी जिम्मेदारी से यह कहने का सौभाग्य मानता हूं कि मध्यप्रदेश पुलिस सर्वोत्तम है। विदाई परेड में नवागत डीजीपी मकवाना व अन्य एडीजी ने परंगरागत रूप से उनका वाहन खीचा। मोतीलाल नेहरू पुलिस स्टेडियम में परेड से पहले डीजीपी सक्सेना ने शहीद स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की। विदाई परेड में परेड कमांडर की जिम्मेदारी भापुसे सोनाक्षी सक्सेना डीसीपी इंटेलिजेंस भोपाल तथा परेड टूआईसी सहायक सेनानी रवि शर्मा के नेतृत्व में आठ प्लाटून तथा पुलिस बैण्ड दल द्वारा परेड की गई। उन्होंने कहा कि अत्यंत भव्य परेड का आज आपने प्रदर्शन किया है। इसके लिए मैं आप

सभी को बहुत बहुत बधाई देता हूं। डीजीपी ने कहा अतिविशिष्ट व्यक्तियों का भ्रमण एक ऐसी जिम्मेदारी होती है, जिसमें यदि थोड़ी सी भी कमी रह जाये तो उसके अत्यंत गंभीर परिणाम हो सकते हैं। पिछले 2 वर्षो में प्रधानमंत्री के ही लगभग 40 से अधिक स्थानों पर भ्रमण हुए। साथ ही राष्ट्रपति , केन्द्रीय गृह मंत्री तथा कई अन्य अतिविशिष्ट व्यक्तियों के भ्रमण हुए लेकिन मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा समुचित व फुलप्रूफ सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित किया जाना आपकी व्यवसायिक योग्यता का उत्कृष्ट प्रमाण है।

डीजीपी मकवाना को दी बधाई

निवर्तममान डीजीपी सक्सेना ने कहा कि मैं पुलिस महानिदेशक मध्यप्रदेश के रूप में कैलाश मकवाना के संबंध में कहा कि वे एक अत्यंत ही ईमानदार, कर्तव्यनिष्ठ व व्यवसायिक रूप से दक्ष अधिकारी हैं। उ विदाई परेड के बाद डीजीपी सुधीर सक्सेना पुलिस मुख्यालय पहुंचे जहां उन्होंने नवनियुक्त डीजीपी कैलाश मकवाना को बधाई और शुभकामनाएं देते हुए बेटन सौंपा।

एमपी नगर हादसा: बच्चों को टीटी नगर, एमपी नगर छोड़ने आया था बस चालक

एमपी नगर थाने के सामने रुकने के बाद हो गया था बस का ब्रेक फेल

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

एमपी नगर थाना क्षेत्र स्थित होटल रेसीडेंसी के पास वाइन शॉप के सामने बाइक सवार युवकों को कुचलने वाली बस के ड्राइवर 52 साल के दीपक गंगराड़े को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी बस ड्राइवर ने बताया कि वह कोलार में रहता है और पुष्प ट्रैवल्स की बस चलाता है। वह राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिता में शामिल होने आए बच्चों को टीटी नगर से बस में लेकर एमपी नगर होटल में छोड़ने आया था। एमपी नगर थाने के सामने चौराहा पर सिग्नल रेड हुआ और उसने बस रोकी। इसके बाद एमपी नगर थाने के सामने ढलान पर बस उतारते समय बस के ब्रेक फेल हो गए थे। वह बस को कंट्रोल करने का प्रयास कर रहा था। किसी तरह एमपी नगर और प्रभात की तरफ से आ रहे वाहनों को उसने हॉर्न बजाकर बचाया और बस होटल रेसीडेंसी की तरफ उतार दी थी। इसी बीच बाइक पर सामने जा रहे दो युवक बस की चपेट में आ गए। दरअसल, उसने बार-बार हार्न बजाकर बाइक सवार युवकों को रास्ते से हटने के संकेत दिए थे, लेकिन वह हट नहीं सके। वे बाइक समेत दोनों को चपेट में लेकर आगे बड़ गया।

बाइक गिरकर खड़ी हुई, बंफर में फंसी: बाइक सवार युवकों को कुचलते हुए करीब पचास मीटर तक बस के बंफर में बाइक फंसती हुई चली गई। हल्की चड़ाई आने के बाद बस के सामने घिसट रही बाइक खड़ी होकर फंस गई। बाइक कंडक्टर साइड में फंसी थी, जबकि डिवाइडर पर बस का ड्राइवर साइड का हिस्सा घिसटाया था। डिवाइडर में बस का साइड मिरर वाला पाइप भी टकराया था। जिससे बस रुक गई। दीपक गंगराड़े का कहना है कि बस के रुकते ही वह उतरकर भाग निकला था। यदि वह कुछ देर और रुकता तो भीड़ उसके साथ मारपीट शुरू कर देती।

जब्त बस मालिक से पेपर मंगवाए: आरटीओ की साइट पर विजिट करने पर पता चला कि बस का फिटनेस फरवरी 2024 में ही एक्सपायर हो चुकी है। सवाल इस बात का है कि बिना फिटनेस के बस आठ महीने से चल रही थी और बस मालिक के खिलाफ कार्रवाई नहीं की गई।

पुलिस ने बस मालिक से बस संबंधी पेपर मंगवाए हैं। पुलिस पेपर चेक करने के बाद कार्रवाई करेगी। जिस समय हादसा हुआ उस समय बस में पंद्रह बच्चे थे। इनमें कुछ कुछ बच्चों को एमपी नगर स्थित रॉयल स्टार होटल में छोड़ना था और कुछ बच्चों को कैंपियन ग्राउंड छोड़ना था। गनीमत रही कि बस किसी अन्य बड़े वाहन से नहीं टकराई नहीं तो हादसा और भी बड़ा हो सकता था।

दोनों युवकों का शनिवार को हुआ दाह संस्कार: उल्लेखनीय है कि ओसामा खान पिता मोहम्मद कामिल (23) भौंरी का किनारा, भिंड का था। जहांगीराबाद में चिकलौद रोड पर उसकी बहन और पिता रहते हैं। बेंगलुरू में प्राइवेट नौकरी करने वाला ओसामा गुरुवार सुबह भोपाल पहुंचा था, जबकि उसका साथी 25 साल का पुष्कर शाजापुरकर भी भिंड का था और गुना में प्राइवेट नौकरी कर रहा था। शुक्रवार दोनों एमपी नगर पहुंचे और वहां पासपोर्ट का काम कराने के बाद आईएसबीटी के पासपोर्ट ऑफिस जा रहे थे। इस दौरान पुष्प ट्रैवल्स की बस ने होटल रेसीडेंसी के सामने उन्हें कुचल दिया। बस का पहिया दोनों के शरीर से गुजरने के कारण दोनों की मौत हो चुकी थी। शुक्रवार देर रात दोनों के शव भिंड पहुंच गए थे। शनिवार को उनका दाह संस्कार किया गया।

वफ्फ बोर्ड हटाओ भारत बचाओ का लगाया बैनर

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

जहांगीराबाद स्थित मिंटो हाल के पास स्थित गांधी पार्क की बाउंड्री पर किसी ने वफ्फ बोर्ड हटाओ भारत बचाओ का बैनर लगा दिया। लोगों की नजर पड़ी तो उन्होंने इसकी सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने बैनर को तुरंत ही निकलवा दिया। यह बैनर किसने लगाया है, इसका खुलासा नहीं हो सका है। जानकारी के अनुसार शनिवार दोपहर पुलिस को सूचना मिली कि गांधी पार्क की बाउंड्री पर किसी ने एक बैनर लगाया है। अरेरा हिल्स और जहांगीराबाद पुलिस मौके पर पहुंची तो एक बैनर मिंटो हाल की सेकेंड एंट्री के पास पार्क की बाउंड्री वाल पर बंधा हुआ मिला, जिस पर लिखा था वफ्फ बोर्ड हटाओ भारत बचाओ। हालांकि इस बैनर पर किसी व्यक्ति अथवा संगठन का नाम नहीं था। जहांगीराबाद पुलिस ने तत्काल ही उक्त बैनर को निकलवा दिया। यह बैनर किसने और कब लगाया, इसका पता नहीं चल सका है।

ट्यूटर के अधेड़ पति ने 11 साल की बच्ची से की अश्लील हरकत

भोपाल। 11 साल की बच्ची से ट्यूटर के अधेड़ पति द्वारा अश्लील हरकत किए जाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ने बचने के लिए खुद को मीडियाकर्मी बताते हुए वरिष्ठ अधिकारियों के नाम लेकर रौब दिखाने लगा था। पुलिस के अनुसार भेल क्षेत्र की एक कालोनी में रहने वाली 11 साल की बच्ची निजी स्कूल में छठवीं कक्षा में पड़ती है। उसकी मां गृहणी हैं, जबकि पिता एक बैंक में सीनियर शाखा प्रबंधक हैं। मोहल्ले में रहने वाली एक महिला बच्चों को अपने घर पर ट्यूशन पड़ाती है। करीब दो सप्ताह पूर्व ही बच्ची ने भी महिला के घर ट्यूशन शुरू की। पड़ाई के दौरान महिला जब कोई घरेलू काम करने लगती तो उसका 55 साल का पति नितिन देशमुख बच्ची से बेडटच करता था। पहले बच्ची को उसकी मंशा समझ में नहीं आई, लेकिन बच्ची रोजाना की तरह ट्यूशन पहुंची। इस दौरान ट्यूशन पड़ाने वाली महिला किसी काम से दूसरे कमरे में चली गई। इस बीच नितिन बच्ची को अकेला देखकर शर्मनाक हरकत करने लगा। बच्ची ने उसका विरोध किया और घर चली गई। शुक्रवार को मां ने बच्ची को ट्यूशन जाने का कहा तो उसने मना कर दिया। मां ने पूछताछ की तो बच्ची ने बताया कि नितिन अंकल गंदी हरकत करते हुए बेड टच करते हैं। महिला ने घटना की जानकारी पति को दी। दंपती बच्ची को लेकर थाने पहुंचे और महिला सब इंस्पेक्टर से काउंसलिंग कराई गई। काउंसलिंग में पता चला कि उसके साथ घटना हुई है।

खुद को मीडिया कर्मी बताया, पुलिस के सामने रौब झाड़ने लगा आरोपी

महिला के बैग से 75 हजार रुपए का सामान चोरी

भोपाल। भोपाल रेलवे स्टेशन पर ट्रेन में चड़ने के दौरान बदमाशों ने एक महिला के बैग की चेन खोलकर अंदर रखा पर्स चोरी कर लिया। पर्स में नकदी और जेवरात समेत 75 हजार का सामान रखा था। फरियादिया ने काफी देर से आसपास घूम रही दो महिलाओं पर संदेह जाहिर किया है। जीआरपी हुलिए के आधार पर उनकी तलाश कर रही है। जानकारी के अनुसार सीमा तुरकर नागपुर की रहने वाली हैं। उन्हें अपने पति काशीराम के साथ भोपाल से नागपुर जाना था। भोपाल रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म क्रमांक एक पर वह दक्षिण एक्सप्रेस के कोच एस-6 में सवार हो रही थी, तभी किसी ने उनके बैग की चेन खोलकर अंदर रखा छोटा पर्स चोरी कर लिया। चोरी गए पर्स में 60 हजार रुपए कीमत का मंगलसूत्र, 15 हजार रुपये नकदी, पति का एटीएम कार्ड, ड्रायविंग लायसेंस समेत अन्य सामान रखा था।

600 बच्चों, 60 कर्मचारियों की आंख, दांतों की जांच

हिरदाराम नगर. नवयुवक द्वारा संचालित अनंदराम टीशाहानी कन्या विघालय, सिंधु माध्यमिक शाला, पंडित दीन दयाल उपाध्याय कन्या महाविघालय के विद्यार्थियों एवं स्टाफ की आंखों की जांच एवं दांतों की जांच के लिए निशुल्क शिविर आयोजित किया गया गया, जिसमें सेवासदन नेत्र चिकित्सालय के डॉक्टरों एवं मेडिकल स्टॉप ने अपनी सेवाएं दीं। शिविर में 600 विद्यार्थियों एवं 60 कर्मचारियों की जांच की। चिकित्सक डॉ भारती जनयानी डॉ अजय सिंह तथा दाँतो के चिकित्सक डॉ कोमल दासवानी, डॉ रोशनी ज्ञानचंदानी, हेल्पर भावेश पवारए बब्लू सोलंकी, निखिल केवट, कृष्णकांत, तारा छतानी का शिविर के समापन अवसर पर पुष्पगुच्छ व स्मृति चिन्ह भेंट देकर किया गया।

डॉक्टर्स ने बच्चों को सेहतमंद रहने के सुझाव दिए। इस अवसर पर प्राचार्या ज्योति चौहान, शिक्षा समिति सदस्य पुरषोतम टिलवानी, प्रधानाचार्य प्रिया धर्मदासानी एवं शिक्षक-शिक्षिकाए एवं विद्यार्थी मौजूद थे।

हनुमानजी प्राण प्रतिष्ठा का मुहूर्त निकला

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

नुक्कड़ वाली माता मंदिर में राम भक्त हनुमान जी की प्राण प्रतिष्ठा का मुहूर्त निकाल गया है। आचार्य अष्ट 10 पुराण प्रवक्ता यज्ञ आचार्य काशी विश्वनाथ गुरुकुल में जिन्होंने शिक्षा दीक्षा ली गुफा मंदिर धाम के अनिल रूद्र जी का संतनगर आगमन हुआ, जिन्होंने ने मुहूर्त की तारीख निकाली है। 17 जनवरी 2025 से प्राण प्रतिष्ठा समारोह की शुरूआत होगी। 25 जनवरी तक पांच दिवसीय आयोजनों के बीच मूर्ति की स्थापना की जाएगी।

नाहीरी माह का श्री चालीहा साहिब व्रत एवं प्रभात फेरी

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

नाहीरी माह का श्री चालीहा साहिब व्रत एवं प्रभात फेरी 2 दिसंबर से शुरू हो रही है, जिसमें घर-घर जय झूलेलाल का नारा गूंजेगा द्य बता दे परिवार समाज और देश की खुशहाली के लिए सिंधी समाज 18 घंटे निर्जल निराहार रहता है। यह व्रत वर्ष में दो बार रखा जाता है एक 16 जुलाई से शुरू होकर 24 अगस्त तक दूसरा नहीरी माह की दूज से शुरू होता है । पूर्व में नाहीरी माह के व्रत केवल भगवान झूलेलाल जी के वंशज ठकुर परिवार ही रखा करते थे क्योंकि यह बहुत कठिन होते हैं। पर भक्तों की भगवान झूलेलाल जी के प्रति अनन्य आस्था को देखते हुए भक्तों के विनम्र निवेदन पर भगवान श्री झूलेलाल जी के 25 वें वंशज ठकुर साईं ओंमलाल साहिब जी ने भक्तों को आज्ञा प्रदान की कि आप भी यह व्रत रख सकते हैं। संत हिदाराम नगर में भी झूलेलाल ठकुर आसानलाल मंदिर बी वार्ड पुराना से 2 दिसंबर से भरूच धाम से लाई गई पूज्य अखंड ज्योत साहिब के साथ झूलेलाल प्रभात फेरी निकाली जाएगी, प्रभात फेरी रोजाना सुबह 6 बजे आरंभ होकर शहर की परिक्रमा कर 7.15 बजे मंदिर पर समाप्त होगी ऐसी मान्यता है कि जो भी भक्तजन इस प्रभात फेरी में शामिल होता है पूरे वर्ष भर उनके घर में सुख शांति एवं आरोग्यता रहती है।

पश्चिम मध्य रेल

उप मुख्य अभियन्ता/निर्माण/ पश्चिम मध्य रेल/खजुराहो भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं। **निविदा सं.:** DY-CE-C-KURJ-08-2024, **कार्य का नाम लोकेशन सहित:** वर्क फॉर कन्स्ट्रक्शन ऑफ अर्थवर्क इन फिलिंग, कटिंग, ब्लेन्केटिंग वर्क, कन्स्ट्रक्शन ऑफ माइनर ब्रिजेस (इंक्लुडिंग आरयूबीस), कन्स्ट्रक्शन ऑफ मेजर ब्रिजेस, अदर एनसियलरी वर्कस बिटविन किमी 74.55 - 80.00 एंड कन्स्ट्रक्शन ऑफ 5 नं. मेजर ब्रिजेस बिटविन किमी 105.00-115.00 (इन्क्लुडिंग अर्थवर्क इन फिलिंग, ब्लेंकेटिंग एंड एनसियलरी वर्कस इन एपरोचेस) ऑफ पन्ना-खजुराहो न्यू बीजी रेल लाईन प्रोजेक्ट। **निविदा का अनुमानित मूल्य कीमत (करोड़ में):** ₹ 134.04 करोड़, **बयाना राशि रः** ₹ 68,52,200.00, **निविदा खुलने की तिथिः** 21.12.2024 (14.00 hrs., **कार्य समापन की अवधि (माह):** 18 माह, **नोटः** ई निविदा का संपूर्ण विवरण वेबसाईट **IREPS (www.ireps.gov.in)** पर देखा जा सकता है एवं उप मुख्य अभियंता/निर्माण/पश्चिम मध्य रेल/खजुराहो के कार्यालय के सूचना पट पर भी उपलब्ध है। ई-निविदा के अलावा और कोई निविदा मान्य नहीं है। निविदाकार वेबसाइट को निविदा खुलने की तिथि तक लगातार देखते रहे ताकि यदि कोई शुद्धिपत्र है तो उसकी जानकारी हो सके।

उप मुख्य अभियंता (निर्माण)/ पश्चिम मध्य रेलवे, खजुराहो

स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लो.नि.वि. संधारण संभाग क्रमांक 2. भोपाल

निविदा सूचना 17 वर्ष 2024-25 — भोपाल, दिनांक 28/11/2024

निविदा सूचना

निम्नलिखित कार्यों हेतु निविदायें आमंत्रित की जाती है। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट www.mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्र.	टेण्डर क्रमांक	कार्य का नाम	आमंत्रण क्र.	ठेके की अनु राशि (रू. लाख में)
1	2	3	4	5
1	2024_PWDRB_384782_1	बैरसिया उपसंभाग के अंतर्गत विभिन्न मार्गों पर बी.टी. पेंच रिपेयर कार्य।	प्रथम	20.00
2	2024_PWDRB_384783_1	जेल-2 उपसंभाग के अंतर्गत विभिन्न मार्गों पर बी.टी. पेंच रिपेयर कार्य।	प्रथम	20.00
3	2024_PWDRB_384785_1	पश्चिम उपसंभाग के अंतर्गत विभिन्न मार्गों पर बी.टी. पेंच रिपेयर कार्य।	प्रथम	20.00
4	2024_PWDRB_384787_1	सर्वेक्षण एवं निर्माण उपसंभाग के अंतर्गत विभिन्न मार्गों पर बी.टी. पेंच रिपेयर कार्य।	प्रथम	20.00
5	2024_PWDRB_384788_1	पश्चिम उपसंभाग के अंतर्गत मेण्डोरी बरखेडी बाजयाफ्त कुशलपुरा मार्ग लंबाई-4.45 कि.मी. में बी.टी. पेंच रिपेयर कार्य।	प्रथम	20.00
6	2024_PWDRB_384789_1	पश्चिम उपसंभाग के अंतर्गत टीलाखेडी पिपलिया धाकड दूबडी लसूलिया घाट मार्ग लंबाई-15.50 कि.मी. में बी.टी. पेंच रिपेयर कार्य।	प्रथम	20.00
7	2024_PWDRB_384790_1	जेल-1 उपसंभाग के अंतर्गत विभिन्न मार्गों पर रोड मार्किंग एवं साइनेज का कार्य।	प्रथम	20.00
8	2024_PWDRB_384791_1	जेल-2 उपसंभाग के अंतर्गत विभिन्न मार्गों पर रोड मार्किंग एवं साइनेज का कार्य।	प्रथम	20.00
9	2024_PWDRB_384792_1	बैरसिया उपसंभाग के अंतर्गत विभिन्न मार्गों पर रोड मार्किंग एवं साइनेज का कार्य।	प्रथम	20.00
10	2024_PWDRB_384794_1	सर्वेक्षण एवं निर्माण उपसंभाग के अंतर्गत विभिन्न मार्गों पर रोड मार्किंग एवं साइनेज का कार्य।	प्रथम	20.00
11	2024_PWDRB_384795_1	पश्चिम उपसंभाग के अंतर्गत विभिन्न मार्गों पर रोड मार्किंग एवं साइनेज का कार्य।	प्रथम	20.00
12	2024_PWDRB_384796_1	पश्चिम उपसंभाग के अंतर्गत नीलबड खजूरी मार्ग लंबाई-10.80 कि.मी. में रोड मार्किंग एवं साइनेज का कार्य।	प्रथम	20.00

उपरोक्त वेबसाइट आनॅलाइन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) बेवसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र ऑनलाईन क्रय एवं जमा करने की अंतिम तिथि 20/12/2024 जा सकता है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाईट पर किया जायेगा। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जायेगा।

G- 19677/24 — **कार्यपालन यंत्री, लो.नि.वि. संधारण सभाग क्रमांक 2 भोपाल**

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022